उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in | वर्ष: 11 || अंक:13 || पृष्ठ: 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 27 अप्रैल-2026

अंदर के पृष्ठ पर
ढाई करोड़ की हरियाली पर फिरा पानी, किदवई नगर में सूख रहे पौधे 8
पटाखा निर्माण फैक्टरी में विस्फोट 12 लोगों की मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख 5

अमेरिका में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान चली गोली, ट्रंप बाल बाल बचे

राष्ट्रपति ट्रंप बोले- हमलावर के पास थे कई घातक हथियार

बीपीएस न्यूज

वाशिंगटन। वाशिंगटन डीसी में शनिवार शाम अभेद्य किलेबंदी के बीच चल रहे व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान पर कार्यक्रम स्थल के बाहर गोलीबारी होने से हड़कंप मच गया। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स कार्यक्रम स्थल से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को निकाल कर ले गए। ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस गोलीबारी में एक एजेंट घायल हो गया। डिनर का आयोजन वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में किया गया था।अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी होते ही ट्रंप को वहां से तुरंत बाहर निकाला गया। इस वार्षिक मीडिया कार्यक्रम के शुरू होने से पहले ही राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप बॉलरूम पहुंच चुके थे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा कि वह जल्द ही व्हाइट हाउस से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

ट्रंप ने लिखा, वह, प्रथम महिला, उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के सभी सदस्य पूरी तरह से सुरक्षित हैं। मैंने इस कार्यक्रम के प्रभारी सभी प्रतिनिधियों से बात कर ली है। डिनर का आयोजन 30 दिनों के अंदर दोबारा किया जाएगा।ट्रंप ने सीक्रेट सर्विस के एजेंट और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कहा यह सब बहादुर हैं। उन्होंने कहा, हमलावर को पकड़ लिया गया है। मौके से हासिल फुटेज में नजर आ रहा है कि गोलियों की आवाज सुनने के बाद ट्रंप और वहां मौजूद लोग अपनी मेजों के पीछे छुप गए। इस दौरान चिल्ला रहे थे, नीचे झुक जाओ। इसके बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ट्रंप को तेजी से घटनास्थल से दूर ले गए। फिर एजेंट्स ने कार्यक्रम स्थल को चारों ओर से घेर लिया। डिनर में आमंत्रित अल जजीरा के पत्रकार क्रिस शेरिडन ने बताया कि उन्होंने बॉलरूम के बाहर गोलियों की पांच आवाजें सुनीं। हम तुरंत ज़मीन पर लेट गए। गोलीबारी ठीक मेरे पीछे हुई। गोली बॉलरूम के प्रवेश द्वार के दरवाजों के पीछे हुई। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। यह घटना रात लगभग 8-30 बजे हुई। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप इस समय व्हाइट हाउस में हैं।

राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर लिखा है कि वह प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पुष्टि की कि ट्रंप ब्रीफिंग रूम से ही संबोधित करेंगे। सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध ने कुल मिलाकर पांच से आठ गोलियां चलाई गईं। संदिग्ध बंदूकधारी तको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर की अध्यक्ष और सीबीएस न्यूज की पत्रकार वेइजिया जियांग ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी तरह ठीक हैं। वह प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भगवान का शुक्र है कि हम सब सुरक्षित हैं। आज रात एक साथ आने के लिए आप सबका धन्यवाद।

बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या

तृणमूल कांग्रेस पर हमला, राहुल ने की दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की कथित हत्या को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि चुनाव के बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा की गई यह हत्या बेहद निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम

बंगाल में लोकतंत्र की जगह गुंडाराज चल रहा है, जहां विरोधी आवाज़ों को डराने और खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति कभी हिंसा पर आधारित नहीं रही है और पार्टी ने हमेशा अहिंसा तथा संविधान के रास्ते पर चलने का संकल्प लिया है। कांग्रेस ने अपने कार्यकर्ताओं को खोया है, इसके बावजूद पार्टी ने शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों को ही अपनाया है।

उन्होंने ताजा मामले में आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी और मृतक के परिवार को सुरक्षा के साथ उचित मुआवजा देने की मांग की। राहुल गांधी ने कहा कि भारत की अहिंसक परंपरा को कलंकित करने वाली ऐसी राजनीति के सामने कांग्रेस झुकेगी नहीं और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

नानूर में भाजपा प्रत्याशी की गाड़ी में तोड़फोड़,का आरोप

बीपीएस न्यूज

बीरभूम। नानूर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार खोकन दास की गाड़ी में तोड़फोड़ का आरोप तृणमूल कांग्रेस पर लगा है। हालांकि, तृणमूल ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। यह घटना शनिवार रात बोलपुर के चित्रा मोड़ इलाके में हुई।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार को मतदान के बाद बोलपुर, नानूर और लाभपुर सीटों के ईवीएम बोलपुर कॉलेज के स्ट्रॉन्ग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच रखे गए हैं। भाजपा का आरोप है कि शनिवार रात एक युवक फर्जी पहचान के साथ स्ट्रॉन्ग रूम में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। इसकी सूचना मिलने पर भाजपा उम्मीदवार खोकन दास मौके पर निरीक्षण के लिए पहुंचे।

खोकन दास का आरोप है कि चित्रा मोड़ के पास नानूर के तृणमूल उम्मीदवार समेत पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन्हें घेर लिया और उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की। घटना की खबर फैलते ही भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए। कुछ ही देर में तृणमूल के समर्थक भी मौके पर आ गए, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई

और माहौल तनावपूर्ण हो गया।स्थिति बिगड़ती देख बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और हालात को नियंत्रण में लिया। रविवार को मामले को लेकर इलाके में तनाव बना हुआ है और पुलिस स्थिति पर नजर रखे हुए है।

चीन ने पाकिस्तान का चौथा सैटेलाइट लॉन्च किया, स्पेस पार्टनरशिप हुई और मजबूत

बीपीएस न्यूज

बीजिंग। चीन ने उत्तरी शांक्शी प्रांत में स्थित ताइयुआन उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से शनिवार रात एक पाकिस्तानी उपग्रह का प्रक्षेपण किया। खबर के अनुसार पीआरएससी-ईओ3 नामक इस उपग्रह को रात 8:15 बजे (बीजिंग समयानुसार) लॉन्ग मार्च-7 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया गया और यह सफलतापूर्वक निर्धारित कक्षा में पहुंच गया।

पिछले साल से अब तक चीन द्वारा प्रक्षेपित किया गया पाकिस्तान का यह चौथा उपग्रह है। चीन ने पिछले साल पाकिस्तान के तीन उपग्रह प्रक्षेपित किए थे। चीन पिछले कुछ वर्षों से पाकिस्तान के उपग्रह प्रक्षेपित कर रहा है। इसके अलावा चीन के अंतरिक्ष मिशन प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए चुने गए पाकिस्तान के दो अंतरिक्ष यात्री 24 अप्रैल को यहां पहुंचे थे।

चीन की मानव अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री शुक्रवार को बीजिंग स्थित चीन के अंतरिक्ष यात्री केंद्र पहुंचे, जहां वे अपने चीनी साथियों के साथ प्रशिक्षण में भाग लेंगे। आवश्यक प्रशिक्षण पूरा करने और आकलन में सफल होने के बाद, इनमें से एक अंतरिक्ष मिशन में पेलोड स्पेशलिस्ट के रूप में भाग लेगा।

पीएम मोदी ने गिनाईं एनर्जी सेक्टर की उपलब्धियां राष्ट्र निर्माण और संस्कृति पर भी रखें विचार

बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 133वें एपिसोड में देश को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने भारत के परमाणु कार्यक्रम और पवन ऊर्जा में मिली बड़ी सफलताओं पर गर्व जताया। उन्होंने कहा कि देश के वैज्ञानिक लगातार राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं। पीएम ने इसके साथ ही भारतीय संस्कृति, आने वाले त्योहारों और तकनीक के बढ़ते प्रभाव पर भी अपने विचार साझा किए।

प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत के परमाणु वैज्ञानिकों ने एक बहुत बड़ी कामयाबी हासिल की है। तमिलनाडु के कलपक्कम में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली है। पीएम ने गर्व से कहा कि यह भारत की परमाणु ऊर्जा यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर है और सबसे बड़ी बात यह है कि इसे पूरी तरह से भारत की अपनी तकनीक से बनाया गया है।

पीएम मोदी ने पवन ऊर्जा को एक ऐसी अदृश्य शक्ति बताया जो देश को आगे ले जा रही है। भारत ने पवन ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है और अब देश की उत्पादन क्षमता 56 गीगावॉट से अधिक हो गई है। इस उपलब्धि के साथ भारत आज दुनिया में पवन ऊर्जा के मामले में चौथे स्थान पर पहुंच गया है।

मई महीने की शुरुआत के साथ ही पीएम ने जल्द आने वाली बुद्ध पूर्णिमा की सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज की तनावपूर्ण दुनिया में भगवान गौतम बुद्ध के विचार बहुत जरूरी हैं। बुद्ध ने सिखाया था कि शांति की शुरुआत अपने अंदर से होती है और खुद पर जीत पाना ही सबसे बड़ी जीत है।

पीएम ने गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान होने वाली बीटिंग रिट्रीट पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस समारोह में अब भारतीय संगीत का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है, जिसे लोग बहुत पसंद कर रहे हैं। इस साल वायुसेना, थलसेना, नौसेना और ष्ठक्क्र के बैंड्स ने बहुत शानदार प्रदर्शन किया।

भट्ठी में तब्दील हुई दिल्ली: तापमान 42 डिग्री के पार, कल के लिए लू का यलो अलर्ट

बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। राजधानी में कई दिनों से भीषण गर्मी और लू का प्रकोप है। रविवार को अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री दर्ज हुआ। दिन के साथ रातें भी लगातार गर्म हो रही हैं। दोपहर के समय तो यूं मानों ऐसा लगता हो, जैसे भट्ठी जल रही हो। इसी कड़ी में रविवार सुबह से ही तपती धूप और गर्म हवाओं ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया। इससे लोगों का हाल बेहाल रहा और वह परेशान दिखे। वह घर से बाहर निकलते ही पसीना पोंछते नजर आए। यही नहीं, हालात ऐसे थे कि रात में भी सुकून नहीं मिला। दिन और रात के समय गर्म हवा चली। मौसम विभाग ने पहले ऑरेंज फिर शाम तक आते-आते लू का यलो अलर्ट जारी किया हुआ था।

इस दौरान अधिकतम तापमान 42.1 और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री दर्ज हुआ। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 60 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 22 प्रतिशत रही।

वहीं, लगातार पांच दिन से पारा 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर दर्ज किया गया। इसके अलावा दिल्ली के कई इलाकों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के ऊपर रहा और लू की स्थिति बनी रही।

मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले दो दिन के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा और उसके बाद के तीन दिन में इसमें 4-6 डिग्री की गिरावट आएगी और उसके बाद लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। वहीं, अगले तीन दिन के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक रहने की संभावना है और उसके बाद यह सामान्य स्तर पर आ जाएगा।

हरभजन सिंह की सुरक्षा हटी आप छोड़ बीजेपी में शामिल होने के बाद पंजाब में सियासी घमासान

बीपीएस न्यूज

चंडीगढ। पंजाब पुलिस ने राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह की सुरक्षा वापस ले ली है। हरभजन सिंह उन सात सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने राघव चड्ढा के साथ आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। यह जानकारी सूत्रों ने दी। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा शनिवार को हटा ली गयी, जिसमें 9-10 पुलिसकर्मी शामिल थे। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह के जालंधर स्थित छोटी बारादरी इलाके के आवास पर पंजाब पुलिस के सुरक्षाकर्मी तैनात थे। इस बीच, रविवार को पूर्व क्रिकेटर के घर के बाहर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान तैनात दिखाई दिए।शनिवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हरभजन सिंह, अशोक मित्तल और राजिंदर गुप्ता के घरों के बाहर प्रदर्शन किया था। ये तीनों नेता बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने लुधियाना और जालंधर में उनके घरों की दीवारों पर स्प्रे पेंट से गद्दार लिख दिया।शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने पार्टी छोड़ने की घोषणा की थी। वे पांच अन्य सांसदों में अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, स्वाति मालीवाल और विक्रमजीत साहनी शामिल हैं। राघव चड्ढा ने आरोप लगाया था कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी अपने सिद्धांतों, मूल्यों और नैतिक आधार से भटक गई है, इसलिए वह बीजेपी में शामिल हो रहे हैं।उन्होंने कहा था कि सातों सांसदों का एक गुट के रूप में बीजेपी में विलय हुआ है। इस राजनीतिक घटनाक्रम के तुरंत बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इन सात नेताओं को गद्दार÷ करार दिया। मान ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रही है और उसने पंजाब की जनता के साथ विश्वासघात किया है।

भारत की आत्मा को कैमरे में कैद करने वाला महान लेंसमैन 83 की उम्र में अलविदा

चंडीगढ। भारत ने अपने सबसे महान दृश्य कथाकारों में से एक को खो दिया। प्रख्यात फोटोग्राफर और फोटो जर्नलिस्ट रघु राय का 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने रविवार को आधिकारिक सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी पुष्टि की।राय के बेटे और फोटोग्राफर नितिन राय के अनुसार, उन्हें दो वर्ष पहले प्रोस्टेट कैंसर का पता चला था, जिसका इलाज हो गया था। बाद में यह बीमारी पेट और फिर मस्तिष्क तक फैल गई, जिसके चलते उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई।

रघु राय अपने पीछे पत्नी गुरमीत, बेटे नितिन और बेटियों लगन, अवनि और पूर्वी को छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार रविवार शाम 4 बजे दिल्ली के लोधी श्मशान घाट पर किया जाएगा।छह दशकों से अधिक लंबे करियर में रघु राय के कैमरे ने भारत की राजनीति, पीड़ा, जिजीविषा और मानवीय संवेदनाओं को गहराई से दर्ज किया। उनकी तस्वीरें केवल घटनाओं का दस्तावेज नहीं थीं, बल्कि उन्होंने देश को देखने का नजरिया भी गढ़ा।उनकी सबसे चर्चित कृतियों में भोपाल गैस त्रासदी की मार्मिक तस्वीरें शामिल हैं। विशेष रूप से एक बच्चे की तस्वीर, जो मलबे में आधा दबा हुआ था, इस त्रासदी का वैश्विक प्रतीक बन गई और दुनिया का ध्यान इस आपदा की भयावहता की ओर खींचा।राय ने अपने कैमरे से 20वीं सदी की कई प्रभावशाली हस्तियों के जीवन के अनमोल क्षण भी कैद किए। इंदिरा गांधी और मदर टेरेसा जैसे व्यक्तित्वों की उनकी तस्वीरें आज भी ऐतिहासिक दस्तावेज मानी जाती हैं।

मानहानि और जालसाजी केस: कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, असम पुलिस की एफआईआर को दी चुनौती

बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मानहानि और जालसाजी के मामले में हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है। बता दें कि, पवन खेड़ा पर असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी ने केस दर्ज कराया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गौहाटी उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। बता दें कि, गौहाटी उच्च न्यायालय ने मानहानि और जालसाजी के एक मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यह मामला असम पुलिस ने उनके खिलाफ दर्ज किया है। पवन खेड़ा ने अपनी अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है।असम पुलिस ने उनके खिलाफ मानहानि और जालसाजी का मामला दर्ज किया था। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत कुमार सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा ने दर्ज कराया है। उन्होंने खेड़ा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। खेड़ा ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास कई विदेशी पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं।

दरअसल, पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिनिकी भुइयां सरमा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि उनके पास कई विदेशी पासपोर्ट हैं। साथ ही विदेशों में उनकी अघोषित संपत्ति भी है। इन आरोपों के बाद रिनिकी भुइयां सरमा ने असम पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसके बाद असम और दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में पवन खेड़ा के आवास पर छापा मारा था। हालांकि, पुलिस की इस कार्रवाई से पहले पवन खेड़ा तेलंगाना पहुंच गए थे।

संजय सिंह की मांग बीजेपी में गए 7 आप सांसदों को अयोग्य घोषित किया जाए

नयी दिल्ली। आम आदमी पाटी के सांसद संजय सिंह ने रविवार को राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन को एक पत्र भेजकर उच्च सदन के उन सात सांसदों को अयोग्य घोषित करने का अनुरोध किया है, जिन्होंने हाल ही में आप छोड़कर भाजपा में विलय की घोषणा की है।सिंह ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि राज्यसभा के सात सदस्यों द्वारा उठाया गया कदम दल-बदल के समान है। उन्होंने कहा कि सदस्यों का कदम संबंधित कानून के प्रावधानों के विरुद्ध है। आप ने पार्टी छोड़ने वाले सात सांसदों की सदस्यता समाप्त करने का अनुरोध राज्यसभा सभापति से किया है और दावा किया है कि वे (सांसद)✓क्क की टिकट पर उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुए, लेकिन बाद में उन्होंने पार्टी छोड़ने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का फैसला किया।

अपनी बात....

संपादकीय ....

सात सांसदों के पाला बदलने से पंजाब में पार्टी कमजोर

पंजाब में विधानसभा चुनाव से सिर्फ दस महीने पहले, राज्यसभा के सात सांसदों द्वारा आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ने से पार्टी का संकट गहराता नजर आ रहा है। बगावती तेवरों वाले तीन राज्यसभा सदस्यों राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी में विभाजन की घोषणा करते हुए कहा है कि उच्च सदन में आप के दो–तिहाई सांसद यानी दस में सात सदस्यों ने एक गुट के रूप में भारतीय जनता पार्टी में विलय करने का निर्णय कर लिया है। हाल के महीनों में खासे मुखर रहने वाले राघव चड्ढा को राज्यसभा में आप के उपनेता पद से हटाये जाने के बाद उनके द्वारा शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद तो विभाजन के संकेत मिलने शुरू हो गए थे। विडंबना यह है कि राज्यसभा में राघव चड्ढा के स्थान पर आप के उप नेता की जगह लेने वाले अशोक मित्तल ने भी उनका ही साथ दिया है। इसमें दो राय नहीं कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी के लिये यह सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। एक समय था कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी में नई पीढ़ी का ऊर्जावान प्रतीक चेहरा माना जाता रहा है। अब वे ही आप नेतृत्व पर पार्टी के मूलभूत आदर्शों से पीछे हटने का आरोप लगा रहे हैं। राघव व पार्टी के अन्य बागी सांसदों ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी जनसरोकारों को प्राथमिकता देने के बजाय निजी लाभ को तरजीह दे रही है। उनके निशाने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ही हैं। जिन्हें पंजाब में मान सरकार की बागडोर दिल्ली से संचालित करने वाला माना जाता रहा है। जैसा कि आपेक्षित था, आबकारी नीति मामले में मुश्किल में फंसे और अदालती लड़ाई लड़ रहे केजरीवाल ने इन सांसदों पर विश्वास तोड़ने और पंजाब की जनता से छल करने का आरोप लगाया है।केजरीवाल ने आप से अलग होने वाले सांसदों पर पंजाब के लोगों के साथ विश्वासघात करने वाला बताया है। वहीं दूसरी ओर भाजपा भी केजरीवाल के निशाने पर है, जिस पर उन्होंने सुनियोजित साजिश करके आम आदमी पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया है। वास्तव में भाजपा सीमावर्ती राज्य पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी जड़ें मजबूत करने की कवायद में जुटी है। इसी कड़ी में भगवा पार्टी ने हाल के वर्षों में पंजाब के कई कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में करने में कामयाबी पायी है। निश्चित रूप से राज्य सभा में आप के दो तिहाई सांसदों का टूटकर भाजपा में मिलना आम आदमी पार्टी के लिये बड़ी चुनौती है। जिसके चलते पंजाब में अपनी खोई जमीन पाने के लिये पार्टी को एकजुट करके आगे बढ़ने की बड़ी चुनौती सामने खड़ी है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि आप के कुछ और नेता आगामी दिनों में भाजपा का दामन थाम लें। लेकिन यहां सवाल आप सुप्रीमो पर उठ रहे हैं कि क्या उन्होंने इन नेताओं को राज्यसभा का टिकट देते वक्त पार्टी की रीति–नीतियों की कसौटी पर परखा था या फिर पार्टी की आर्थिक प्राथमिकताओं को ही उनकी योग्यता मान लिया गया था। जाहिर है ये लोग सार्वजनिक जीवन में बहुत चर्चित चेहरे होने के बजाय आर्थिक रूप से समृद्ध लोग रहे हैं। जब चयन में आर्थिक प्राथमिकताएं होती हैं तो चयनित सदस्यों के निर्णय में भी लाभ–हानि का गणित ही प्रभावी रहता है। यहां सवाल कुछ सासंदों के कारोबारी छिद्रों पर सरकारी एजेंसियों का दबाव का भी है, जिन पर पिछले दिनों कार्रवाई भी हुई थी। अनुमान लगाये जा रहे हैं कि शायद इस कार्रवाई के बाद विभिन्न कारोबार से जुड़े अन्य सांसद भी दबाव में आ गए। उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ राजग की धुलाई मशीन से गुजरना ज्यादा सुरक्षित महसूस किया। बहरहाल, इस घटनाक्रम ने अन्य राज्यों में विपक्षी दलों के लिये भी खतरे की घंटी बजा दी है।

कांशी राम की विरासत हासिल करने की जुगत

क्षमा शर्मा

राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि यदि कांग्रेस ने पहले बेहतर काम किया होता तो कांशी राम को अलग से संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने स्वीकार किया कि कांग्रेस की पूर्व की कुछ कमियां रही थीं...राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि यदि कांग्रेस ने पहले बेहतर काम किया होता तो कांशी राम को अलग से संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने स्वीकार किया कि कांग्रेस की पूर्व की कुछ कमियां रही थीं जिसके कारण कांशी राम को अलग से संघर्ष करना पड़ा। पिछले दिनों लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशी राम को 'सामाजिक न्याय का योद्धा' और 'सशक्तीकरण का प्रतीक' बताते हुए उन्हें मरणोपरांत 'भारत रत्न' दिए जाने की मांग की। इस आशय का एक पत्र उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखकर उन्हें सम्मानित करने के लिए कहा। यह मांग राहुल गांधी ने लखनऊ में 15 मार्च, 2026 को कांशी राम के जन्मदिन पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए की। राहुल गांधी ने उनकी विचारधारा की प्रशंसा की और कांग्रेस की पिछली गलतियों को स्वीकार करते हुए उनके संघर्ष को याद किया। इतना ही नहीं राहुल गांधी ने कांशी राम को एक ऐसे नेता के तौर पर स्मरण किया जिन्होंने दलितों और हाशिये पर पड़े समुदायों के लिए अपने जीवन में कभी समझौता नहीं किया। यहां तक तो ठीक है लेकिन राहुल गांधी ने यह कहकर कि अगर नेहरू जी जीवित होते तो कांशी राम कांग्रेस के मुख्यमंत्री बनते, उनके कद को छोटा करने का प्रयास किया है।

उधर दूसरी तरफ बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने राहुल गांधी के इस कदम को दलित वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश बताते हुए उनकी कड़ी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए कांशी राम का सम्मान नहीं किया। इस कदम को 2027 के उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले दलित मतदाताओं को कांग्रेस की ओर आकर्षित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस इस कदम के जरिये दलित वोट बैंक को फिर से अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है। मायावती ने पूछा कि जब कांशी राम का निधन हुआ था तब कांग्रेस ने एक दिन का शोक तक नहीं मनाया था और वह अब किस मुंह से उन्हें 'भारत रत्न' देने की मांग कर रही है। मायावती ने राहुल गांधी के इस कदम को दलितों के प्रति कांग्रेस का दिखावा बताया और कांशी राम की विरासत को हथियाने का प्रयास करार दिया। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि यदि कांग्रेस ने पहले बेहतर काम किया होता तो कांशी राम को अलग से संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने स्वीकार किया कि कांग्रेस की पूर्व की कुछ कमियां रही थीं जिसके कारण कांशी राम को अलग से संघर्ष करना पड़ा। राहुल गांधी आज स्वीकार करते हैं कि वह कांशी राम के विचारों और सिद्धांतों को सही मायने में समझते हैं और इसीलिए वह लोकसभा के भीतर और बाहर भी दलितों, शोषितों, आदिवासियों, अन्य पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्गों के अधिकारों जैसे मुद्दे खूब उठाते रहते हैं। संभव है वह यह साबित करना चाहते हों कि कांशी राम के विचारों और सिद्धांतों को सही मायने में वही समझते हैं और इन वर्गों की बदहाली का मुद्दा उठाते रहते हैं। राहुल गांधी का यह मानना है कि वह बसपा को हड़पने का कोई इरादा नहीं रखते बल्कि कांशी राम की सोच और विचारधारा का विस्तार कर रहे हैं। 2024 के लोकसभा के नतीजे इसका स्पष्ट संकेत देते हैं। दलितों, शोषितों और पिछड़ा वर्ग ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गठबंधन को तरजीह दी थी। जिसके चलते बहुजन समाज पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। कभी बसपा के लोकसभा में 14 सांसद थे। यह बात 1999 की है, तब बसपा के सुप्रीमो कांशी राम थे।

कांशी राम से मेरी बीसियों मुलकातें हैं। उनके जुनून को मैंने नज़दीक से देखा है। उन्हें दिल्ली के रेहगड़पुरा (करोलबाग के पास) एक छोटे से कमरे में भी देखा है और हुमायूं रोड वाले सांसदों के बंगले में देखा। उनके रहन-सहन में कोई फर्क नहीं दिखा। वह जैसे सीधे-साधे, साफगो इंसान पहले थे, यहां भी वैसे ही दिखे। फिर कांशी राम को 1971 में अखिल भारतीय अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के शिक्षित सदस्यों से बने संगठन 'बामसेफ', 1981 में दलित, शोषित समाज संघर्ष समिति (डीएस4) के निर्माण करते देखा, जिसमें उन्होंने कहा था कि हमारी संस्थाएं न तो धार्मिक हैं और न ही राजनीतिक और न ही हमारा उद्देश्य आंदोलन करना है बल्कि हमारा यह सामाजिक संगठन है। उस समय उनका नारा था–'ब्राह्मण, ठाकुर, बनिया छोड़, बाकी सब डीएस4'। इसके माध्यम से दलितों, शोषितों तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच चेतना जगाई और उनकी सहायता से जगह जगह छितरे मतों का एकीकरण करने का काम किया। अभी तक ये सभी मत थोक भाव से कांग्रेस तथा अन्य पार्टियों के बीच विभाजित हो जाया करते थे। लिहाज़ा 1984 में उन्होंने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की स्थापना की और नारा दिया 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी भागीदारी'। 1984 में निर्मित बसपा के संस्थापक कांशी राम छत्तीसगढ़ के जांजगीर से लोकसभा के चुनावी मैदान में कूदे और हार गए। 1988 और 1989 का चुनाव हारने के बाद कांशी राम ने कहा था कि 'बसपा पहला चुनाव हारने के लिए, दूसरा नज़र में आने के लिए और तीसरा जीत दर्ज करने के लिए लड़ती है।' कांशी राम 1991 में इटावा और 1996 में होशियारपुर से लोकसभा के चुनाव जीते और 1998-2004 तक राज्यसभा के सदस्य रहे। इन चुनाव परिणामों से राजनीति में बसपा को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त हो गया। अब पार्टी के लोग कांशी राम को 'मान्यवर', 'साहब कांशी राम', 'बहुजन नायक कांशी राम' आदि से संबोधित करने लगे थे। इसी प्रकार मायावती ने 1989 में बिजनौर से भारी मतों से लोकसभा का चुनाव जीत कर बसपा की धाक जमा दी। लेकिन कांशी राम ने मायावती का कार्य क्षेत्र उत्तरप्रदेश तक ही सीमित रखा। लिहाज़ा 1995 में उन्होंने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभाला और वह चार बार राज्य की मुख्यमंत्री रहीं 1995, 1997, 2002-2003 तथा 2007-2012 तक। पहली तीन बार वह भाजपा के बाहरी समर्थन से मुख्यमंत्री रहीं जबकि 2007-2012 तक शुद्ध बसपा की बदौलत। तीन बार सांसद होने के बावजूद कांशी राम का मन संसद में नहीं रमता था और सांसद के तौर पर उनका योगदान अधिक नहीं रहा। उन्होंने मुझे बड़ी बेबाकी से बताया था कि 'यहां बैठकर वक्त ज़ाया करने से बेहतर है पार्टी संगठन को मज़बूत करना।' कांशी राम अक्सर कहते थे कि हम लोग देश की आबादी का 70 फीसदी से ज्यादा हैं। हमारा शोषण ये तथाकथित बड़ी पार्टियां कई दशकों से करती आ रही हैं। उन्हीं के खिलाफ हमारी लड़ाई है।वे कहते थे मैं अपने 'हक़ की अलख' जगाये रखने के लिए उत्तर से दक्षिण तथा पूरब से पश्चिम चक्कर लगाता रहता हूं। बेशक उनके जुनून और परिश्रम ने बसपा को मज़बूत कर दिया लेकिन उनकी सेहत की कीमत पर। उन्होंने सितम्बर, 2003 को पार्टी की बागडोर मायावती को सौंप दी।

दुकानदार ने पान में गुलकंद, पिपरमेंट और चूना लगाकर उन्हें दिया

व्यंग्य -गुटखे की पीक में बसता है बनारस का अद्भुत ज्ञान!

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

दुनिया भर के लोग ज्ञान लेनें हार्वर्ड और ऑक्सफोर्ड जाते है, राहुल गाँधी और अखिलेश यादव विदेशों से डिग्री लेते हैं, पर बनारस में अंगूठा छाप लोग चाय के टपरी, लस्सी के दुकानों अथवा घाट की सीढ़ियों पर बैठकर 'ब्रह्मांड' का ज्ञान मुफ्त में बाँट देते हैं। यहाँ हर दूसरा आदमी आपको राजनीति से लेकर मोक्ष तक की ऐसी 'थ्योरी' बता देगा कि मुलर और थार्नडाइक का नियम भी अपना माथा पकड़ लें। यहाँ ज्ञान मिलता नहीं गुटके के पीक (थूक) से बरसता है , यहाँ ज्ञान 'चाय के कुल्हड़ से रिसता हैज एक बार बनारस के घाट पर फ्रांस के पियरे साहब मिल गए। पियरे साहब अंग्रेजी के विद्वान, और पेरिस के सबसे बड़े 'परफ्यूम एक्सपर्ट' थे। उनका मानना था कि दुनिया की सबसे अच्छी खुशबू 'पेरिस के सड़को पर तैरती' है और वो अपनी जेब में पेरिस ब्यूटी का परफेक्ट परफ्यूम लेकर घूमने आए थे बनारस।

उनका मिशन था– बनारस के घाटों से निकलने वाले अगरबत्ती के खुशबुओं का आंकलन। जैसे ही पियरे साहब गोदौलिया चौराहे पर पहुंचे, उनकी नाक का 'सॉफ्टवेयर' हिल गया। एक तरफ से ताज़ा गोबर की खुशबू दूसरी तरफ से कचौड़ी की हींग वाली खुशबू आ रही थी,

और तीसरी तरफ से किसी नाली का 'क्लासिक' बनारसी गंध। कन्फूजिया गए पियरे साहब! झट से अपनी डायरी में लिखते हुए बडबड़ाए – पेरिस में खुशबू बोतल में होती है, बनारस में खुशबू हवा में झूलती है। नाक यहां के नालियों से युद्ध कर रही है। यहाँ 'नाक' का होना एक साहसिक काम है।

पियरे साहब को पियरका गमछा लपेटे दू तीन ठो पियरका चचा टाईप के बनारसी लौक गए। अब पियरे साहब को का पता कि बनारस के हर चौराहे पर आपको कम से कम दो–तीन 'अघोषित मुख्यमंत्री' मिल जाएंगे जो पान चबाते हुए कभी ओपी राजभर को तो कभी अनुप्रिया पटेल को देश का पीएम बनवाते गुफ़्तगू में दिख जाए। कुछ ठिका से लौटे टीका लगाए राज्य की अर्थव्यवस्था पर ऐसी चर्चा करेंगे कि साक्षात 'फाइनेंस मिनिस्टर' भी आकर नोट्स बनाने लगें। यहाँ राजनीति चाय के कुल्हड़ में घोली जाती है।खैर दोपहर हुई पियरे साहब एक 'इत्र' की पुरानी दुकान पर पहुँचे जो ठीक ठेके के बगल में थी । उन्होंने दुकानदार से कहा– निड ए बॉटल ऑफ़ रॉयल परफ्यूम! दुकानदार अंग्रेजी बुझ नही पाया और लड़के को भेज बगल वाले ठेके से रायल स्टेग का एक बॉटल पियरे साहब को थमा दिया। दुकानदार द्वारा दी गईं बड़ी सी शीशी देख पियरे की आंख लहराई, और तभी झट से दो बूंद पियरे के हाथ पर रख दी दुकानदार नें यह 'बनारसी बुझक्कड़' था। पियरे ने जैसे ही उसे सूंघा, वो अपनी सुध–बुध खो बैठे। उन्हें लगा जैसे वो सीधे धरती माँ की गोद में सो रहे हैं। उन्होंने नोट लिखा– फ़अद्भुत! फ्रांस की लैब में हम केमिकल मिलाते हैं, और ये बनारसी लोग 'इत्र में फरूट जूस मिलाते है' मेरी पूरी डिग्री बेकार है।

असली धमाका तब हुआ जब पियरे नें बोतल से दारू को इत्र समझ देह को तराबोर कर 'बनारसी पान' आज़माने की सोची। दुकानदार ने पान में गुलकंद, पिपरमेंट और चूना लगाकर उन्हें दिया। पियरे ने जैसे ही पान चबाया, उनके फेफड़ों तक ठंडी हवा का झोंका गया। वो खुशी से झूमने लगे। शाम को पियरे मणिकर्णिका घाट पर थे। वहाँ धुएं और जलती लकड़ियों की गंध थी। पियरे ने रुमाल नाक से हटाया। उन्होंने महसूस किया कि यहाँ की हवा में 'वैराग्य' की खुशबू है। उन्होंने अपनी डायरी के आखिरी पन्ने पर लिखा- फ़पेरिस में हम शरीर को खुशबूदार बनाते हैं ताकि लोग हमें पसंद करें, बनारस में रूह को खुशबूदार बनाया जाता है ताकि ईश्वर हमें पसंद करे।यहाँ की सबसे बड़ी खुशबू 'सत्य' है। पियरे ने अपना कीमती फ्रांसीसी परफ्यूम गंगा में बहा दिया और दुकानदार से एक पनडब्बा खरीद लिया। अगले दिन पियरे साहब कुर्ते पर चंदन का लेप लगाए घाट पर बैठे थे और हर आने–जाने वाले को सूंघकर बता रहे थे– फ़भाई साहब! आपमें से कचौड़ी की खुशबू आ रही है, मोक्ष के करीब हैं। उधर पियरे की अंग्रेजी भी धरी की धरी रह गई क्यूंकि बनारस में इंग्लिश का अपना अलग ही व्याकरण है। यहाँ व्हाटस् अप ब्रो ?' नहीं चलता, यहाँ सिर्फ एक शब्द काफी है– 'का गुरु?'। इसमें सवाल भी है, प्यार भी है, और सामने वाले की पूरी कुंडली खंगालने की शक्ति भी।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

सिनेमा में राम के किरदारों पर सवालों का लंबा सिलसिला

भारतीय सिनेमा में पौराणिक कथाएं हमेशा सिर्फ मनोरंजन नहीं रहीं, वे आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान का आईना भी रहीं। जब भी 'रामायण' जैसी किसी फिल्म की घोषणा होती है, तो उससे अपेक्षाओं-विवादों का सिलसिला भी जुड़ जाता है। फ़िलहाल रणबीर कपूर को राम के रूप में देखने पर जो बहस छिड़ी, वह नई नहीं। इसकी जड़ें सिनेमा के शुरुआती दौर तक हैं। राम, कृष्ण या कोई भी पौराणिक पात्र निभाना सिर्फ भूमिका नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जिम्मेदारी बन जाता है। जब रणबीर कपूर जैसे अभिनेता को भगवान राम के रूप में कास्ट किया जाता है, तो दर्शक उसे अभिनेता नहीं, बतौर आदर्श पुरुष देखते हैं। इसी अपेक्षा और वास्तविकता का अंतर विवाद को जन्म देता है। भ्रारतीय सिनेमा में रामायण जैसे पौराणिक महाकाव्यों को चित्रित करने की परंपरा शुरुआती दौर से चली आ रही है। लेकिन, हर दौर से ऐसे प्रयास विवादों की भेंट चढ़ते रहे। नितेश तिवारी की आने वाली मेगा बजट फिल्म 'रामायण' के टीजर से उपजे विवाद इसकी ताजा मिसाल हैं, जहां रणबीर कपूर को 'राम' बनाने पर उनके पुराने बयानों और फ़िल्मी लुक को लेकर बहस छिड़ गई। ब्लैक एंड व्हाइट दौर से लेकर आज तक आस्था, व्याख्या और कलाकारों की पृष्ठभूमि ने इन विवादों को और गहरा दिया। शुरुआती सालों में पौराणिक फिल्मों का विशेष स्थान था। साल 1930 से 1950 के बीच बनी फिल्मों में राम, कृष्ण और शिव जैसे किरदारों को निभाने वाले कलाकारों को दर्शक सचमुच देवता मान बैठते थे। फिल्म 'राम राज्य' इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इस फिल्म में प्रेम अदीब ने राम की भूमिका निभाई थी। कहा जाता है कि लोग उन्हें सचमुच भगवान मानकर उनके चरण छूते थे। महात्मा गांधी ने भी इस फिल्म को देखा था जो अपने आप में इसकी सांस्कृतिक स्वीकार्यता को दर्शाता है। जब किसी अभिनेता की निजी जिंदगी में कोई असंगत बात सामने आती, तो लोग उसे उस पवित्र छवि के खिलाफ मानते।

विवाद का बीज तब से आज तक वही है कि देवता का किरदार निभाने वाला व्यक्ति खुद कितना 'देवत्व' रखता है! 1987 में 'रामायण' के प्रसारण ने इस भाव को चरम पर पहुंचा दिया। अरुण गोविल राम के रूप में इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उन्हें सड़कों पर भी भगवान की तरह पूजते थे। यही वह दौर था, जिसने एक फिक्स्ड इमेज बना दी। राम का चेहरा कैसा हो, व्यवहार कैसा हो। आज जब रणबीर कपूर को इस भूमिका में देखा जाता है, तो तुलना अनिवार्य हो जाती है। भारतीय सिनेमा की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' (1913) से ही पौराणिक किरदारों पर ऐसा विवाद शुरू हो गया था, जहां सत्यनिष्ठा की कथा को लेकर धार्मिक समूहों ने सवाल उठाए और मामला अदालत तक पहुंचा।

रेस्टोरेंट की आड़ में धड़ल्ले से चल रहा हुक्काबार,छापे में जब्त की गई कई सामग्री

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आज के समय में युवा नवयुवक अपराध की दुनिया में अपने पांव पसारते जा रहे हैं। रुपयों की चमक में अपनी जिन्दगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं तथा मादक पदार्थों के आदी भी होते जा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला शहर में रेस्टोरेंट की आड़ में धड़ल्ले से चल रहे हुक्का बार का है। जहां पुलिसिया कार्रवाई के चलते छापे मारी की गई। कानपुर में रेस्टोरेंट और कैफे की आड़ में अवैध हुक्का बार संचालित होने की खबरें सामने आती रही हैं, जिन पर पुलिस और खाद्य विभाग छापेमारी कर कार्यवाही करते हैं। नवीन मार्केट, स्वरूप नगर जैसे क्षेत्रों में अवैध हुक्का बार पर हालिया कार्रवाई की गई है, जहाँ से हुक्का सेट और फ्लेवर बरामद कर गिरफ्तारी भी की गई।

कानपुर में हुक्का बार से जुड़ी मुख्य बातें:

अवैध संचालन: शहर के कई पॉश इलाकों में रेस्टोरेंट और कैफे की आड़ में हुक्का परोसा जा रहा है।

पुलिस की कार्रवाई: पुलिस ने एटमॉस्फियर और द चिलम रेस्टोरेंट जैसे कई स्थानों पर छापा मारा है।

गिरफ्तारी और बरामदगी: हाल की छापेमारी (जैसे अप्रैल 2026 में) में संचालक और मैनेजरों को गिरफ्तार किया गया है।

कोटपा के तहत मामला: अवैध रूप से हुक्का परोसने पर कोटपा अधिनियम के तहत मुकदमे दर्ज किए जाते हैं।

कानपुर में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के बाद भी रेस्टोरेंट की आड़ में हुक्का संचालित हो रहा

एक तरफ कानपुर पुलिस ऐक्शन मोड पर है वही दूसरी तरफ हुक्का माफिया रेस्टोरेंट की आड़ में हुक्के में नशीले पदार्थों मिला कर युवाओं को परोस रहे

पुलिस ऐक्शन लेती है रेड करती है भारी मात्रा में नशीले पदार्थों, हुक्का ओर हुक्के की सामग्री ज़ब्त करती है हुक्का माफिया कुछ दिन बाद से ही अपने कम शुरू कर देते है अब सवाल ये उठता है कि पुलिस के ऐक्शन के बाद भी कैसे हुक्का संचालित होने लगता है ।कानपुर पुलिस को अब कड़ा कदम उठाना पड़ेगा रेस्टोरेंट की आड़ में हो रहे हुक्का संचालित कर रहे रेस्टोरेंट को सीज या रेस्टोरेंट मालिकों पर कठोर कार्रवाई करनी पड़ेगी..जभी ये हुक्का माफियाओं में दुबारा नशे का कोई भी काम करने से पहले सोचना पड़ेगा

अज़ीम बरकाती सफर-ए-हज के लिए हुए रवाना, वालिदा की दुआ के साथ परिवार के लोगों ने की विदाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। (मदीना जाने वालों जाओ जाओ फी अमानिल्लाह,कभी तो अपना भी लग जाएगा बिस्तर मदीने में) मुल्के हिन्दुस्तान समेत दूसरे मुल्कों से भी हज पर जाने वाले ज़ायरीन की रवानगी का सिलसिला जारी है मीडिया इंचार्ज हाफिज़ व क़ारी सैयद मोहम्मद फैसल जाफरी की खाला के बेटे मोहम्मद अज़ीम बरकाती अपनी बेगम के साथ बाद नमाज़े जुमा जुही लाल कालोनी से रवाना हुए।

अज़ीम बरकाती के परिवार के लोग दोस्त अहबाब बड़ी तादाद में शहर से हार फूल मिठाई के साथ जुही लाल कालोनी पहुंचे और गुलपोशी करके मिठाई खिलाई साथ ही दुआ की गुज़ारिश की इससे पहले अज़ीम बरकाती के घर में महफिलें मीलाद हुई मुफ्ती मोहम्मद काजिम रज़ा ओवैसी ने खिताब फरमाते हुए कहा कि हज और उमरा के अरकान तरीके बिल्कुल सही से होना चाहिए अगर किसी ज़ायरीन को नहीं मालूम तो उसको चाहिए कि अपने इलाके के उलेमा इमाम से मालूमात हासिल करें इस मौके पर फातिहा ख्वानी हुई सलातो सलाम व दुआ के साथ महफिल खत्म हुई महफिल के बाद लंगर का एहतिमाम हुआ इस मौके पर हाफिज़ शब्बीर बरकाती,मौलाना अन्सार रहमानी, क़ारी मक़सूद आलम, खालिद जाफरी, सैयद राशिद अली, अनवार हुसैन, नदीम जाफरी, नवेद जाफरी, कलीम जाफरी, हाजी मोहम्मद वसीक़, फरहान हुसैन ,रिज़वान हुसैन, अदनान,अबुज़र,हैदर अली,मोहम्मद मोईन जाफरी आदि लोग मौजूद थे!

शान इंटरप्राइजेज में लगी आग के बाद पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने किया निरीक्षण

कानपुर। आजाद कंपाउंड वाजिदपुर स्थित शान इंटरप्राइजेज में बीती रात्रि आग लगने की घटना के संबंध में पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता द्वारा मौके पर पहुंचकर विस्तृत निरीक्षण किया गया।

उन्होंने घटनास्थल का गहन जायजा लेते हुए राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बीती रात्रि आग लगने की सूचना पर पुलिस व फायर ब्रिगेड द्वारा संयुक्त रूप से कार्य करते हुए आग पर काबू पा लिया गया। आग की तीव्रता के कारण भवन का एक हिस्सा गिर गया, जिसके दृष्टिगत क्षेत्र को संवेदनशील मानते हुए सुरक्षा घेरा बनाया गया है। संभावित खतरे को देखते हुए आसपास पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि आमजन को सुरक्षित रखा जा सके। मौके का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

गैस एजेंसियों की लापरवाही पर कानपुर डीएम हुए सख्त, 3 दिन में बैकलॉग खत्म करने का अल्टीमेटम

» दो एजेंसियों पर 11.18 लाख का जुर्माना, सुधार न होने पर कराई जाएगी एफआईआर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को लेकर हुई समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने साफ कहा कि उपभोक्ताओं को परेशान करने वाली किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि होम डिलीवरी बढ़ाकर अधिकतम 2 से 3 दिन के भीतर सभी लंबित आपूर्ति हर हाल में पूरी की जाए।

समीक्षा में सामने आया कि कुछ गैस एजेंसियों पर भारी बैकलॉग के चलते उपभोक्ताओं को इंतजार करना पड़ रहा है। इस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित एजेंसियों को तीन दिन के भीतर स्थिति सामान्य करने का अल्टीमेटम दिया। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार सुमिता गैस एजेंसी पर 2102, भागवत गैस एजेंसी पर 3588 और मीरा गैस एजेंसी पर 2097 सिलेंडरों का बैकलॉग पाया गया।

डीएम के निर्देश पर अब तक दो गैस एजेंसियों पर 11.18 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है। भागवत गैस एजेंसी पर 4.68 लाख रुपये तथा सुमिता गैस एजेंसी पर 6.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। डीएम ने स्पष्ट चेतावनी दी कि तय समयसीमा में सुधार न होने पर संबंधित एजेंसी संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रत्येक गैस एजेंसी पर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक एक जिम्मेदार कर्मचारी उपभोक्ताओं की शिकायतें दर्ज करेगा

और उनका तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करेगा। सभी शिकायतों को रजिस्टर में दर्ज कर संबंधित पूर्ति निरीक्षक को उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है। साथ ही सभी एजेंसियां प्रतिदिन का बैकलॉग तैयार कर जिला पूर्ति अधिकारी को उपलब्ध कराएं, जिससे प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तय है।

बैठक में एडीएम सिविल सप्लाई राजेश कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड से डिविजनल एलपीजी सेल्स हेड मानवेन्द्र भटनागर एवं विक्रय अधिकारी (एलपीजी) ललित मोहन भट्ट तथा भूपेन्द्र चौटिया उपस्थित रहे। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड से क्षेत्रीय प्रबंधक गिरीश सोनवाने एवं विक्रय अधिकारी (एलपीजी) हिमांशु सिंह तथा हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड से विक्रय अधिकारी (एलपीजी) दीपांकर पारिक मौजूद रहे।

कानपुर में दिव्यांगजनों के लिए चिन्हांकन शिविर

कानपुर। दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए चिन्हांकन शिविरों की शुरुआत बुधवार से हो रही है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से आयोजित इन शिविरों में दिव्यांग पेंशन, कुष्ठावस्था पेंशन, कृत्रिम अंग सहायक उपकरण, शादी प्रोत्साहन, दुकान निर्माण एवं संचालन, शल्य चिकित्सा और कॉक्लियर इंप्लांट सहित विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।शिविर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विकास खंड और तहसील परिसरों में सुबह 10ः30 बजे से शाम 4ः30 बजे तक आयोजित होंगे। 22 अप्रैल को बिधनू, 24 अप्रैल को भीतरगांव, 28 अप्रैल को पतारा, 2 मई को घाटमपुर तहसील, 5 मई को सरसौल, 8 मई को चौबेपुर, 12 मई को शिवराजपुर, 16 मई को बिल्हौर और 19 मई को कल्याणपुर में शिविर लगाए जाएंगे।इन शिविरों में दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने के साथ ही एनपीसीआई लिंक्ड बैंक खाते खोलने की भी सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके लिए आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर, चार फोटो और पैन कार्ड साथ लाना अनिवार्य है। जिन दिव्यांगजनों को अभी तक पेंशन, सहायक उपकरण, शादी सहायता या अन्य योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया है, वे अपने सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, ग्रामसभा प्रस्ताव, आधार कार्ड और राशन कार्ड या फैमिली आईडी के साथ शिविर में पहुंच सकते हैं।ऐसे पेंशनधारक जिनकी पेंशन किसी कारणवश बंद हो गई है, वे भी शिविर में पहुंचकर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं। वहीं 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांगजन जो प्रशिक्षण या रोजगार के इच्छुक हैं, उन्हें भी सभी दस्तावेजों के साथ शिविर में आने के लिए कहा गया है।जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विनय उत्तम ने अपील की है कि अधिक से अधिक दिव्यांगजन इन शिविरों का लाभ उठाए।

आशाएं स्पास्टिक्स सेंटर कानपुर द्वारा पृथ्वी दिवस पर बच्चों को किया गया पर्यावरण के प्रति जागरूक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। इस्पास्टिक्स सेंटर में पृथ्वी दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कानपुर नगर के एडीजी की पत्नी आकांक्षा सिंह उपस्थित रहीं।

ग्रीन फिंगर्स द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना था। इस पहल के अंतर्गत 100 पौधे लगाये गए। बताया गया कि पौधे हमारे ग्रह की रक्षा और संरक्षण करते हैं। कहा गया यह कार्यक्रम बच्चों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी व जागरूकता को बढ़ाने का एक सार्थक कदम था।कार्यक्रम में मुख्य रूप से पीयूष अग्रवाल, अनुराधा वाष्णेय, विजय पारिख, डॉ राव विक्रम सिंह, नीतू सिंह, परियोजना निदेशक भारती गर्ग उपस्थित रहे।

मीरपुर कैंट की झाड़ियों में लगी भीषण आग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मिनी कंट्रोल मीरपुर कैंट पर सूचना प्राप्त हुई की वार मेमोरियल कॉलोनी के पास पेड़ों में आग लगी है। सूचना मिलते ही अग्निशमन यूनिट 0241 घटनास्थल सीओडी पुल के पास पहुंची तो देखा जंगल में काफी बड़े क्षेत्र में आग लगी हुई थी।बताया जाता है कि आग के वृहद क्षेत्र को देखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी कानपुर नगर प्रभारी अग्निशमन अधिकारी मीरपुर कैंट, अग्निशमन यूनिट किदवई नगर, अग्निशमन यूनिट पैराशूट फैक्ट्री, त्त्क्ष्ह्ल यूनिट कैंट, ब्रिगेडियर सर कैंट ष्ट्श्व्ह्व कैंट घटनास्थल पर उपस्थित रहे तथा कैंट स्टाफ छावनी परिषद व अग्निशमन यूनिट कानपुर नगर ने मिलकर आग को बीटिंग, कूलिंग, स्टार्वेशन करके पूर्ण रूप से बुझा दिया। इस घटना में कोई इंजरी या जनहानि नहीं हुई।

खेत में बहता गंदा पानी रुका, रास्तों का विवाद सुलझा

» डीएम के निर्देश पर टीमों ने गांवों में पहुंचकर किया निस्तारण, आधा दर्जन मामलों में मौके पर समाधान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। संपूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतों को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कई प्रकरणों में मौके पर जाकर निस्तारण करने के निर्देश दिए थे, जिसके क्रम में रविवार को एसडीएम नरवल विवेक मिश्रा के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम गांव-गांव पहुंची और आधा दर्जन मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया। त्वरित कार्रवाई से लोगों को तत्काल राहत मिली और लंबे समय से चले आ रहे विवाद खत्म हुए।

18 अप्रैल को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने सीधे मौके पर पहुंचकर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया। ग्राम सरसौल में सोमनाथ की शिकायत पर उनके खेत में बह रहा होटल का गंदा पानी तत्काल बंद कराया गया। कार्रवाई के बाद शिकायतकर्ता ने संतोष जताया।

ग्राम हाथीपुर में मिलन केंद्र की जमीन को लेकर उठे विवाद को उपजिलाधिकारी नरवल, नायब तहसीलदार और लेखपाल की मौजूदगी में मौके पर ही सुलझा लिया गया। जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित कर दी गई, जिससे लंबे समय से चल रही आशंका खत्म हुई।

ग्राम बरईगढ़ में ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर जमीन का चिन्हांकन कराया और अवैध निर्माण रुकवा दिया। इसी गांव में रास्ते की पैमाइश की मांग पर राजस्व और पुलिस टीम की मौजूदगी में सीमांकन कर रास्ता स्पष्ट कर दिया गया, जिससे विवाद समाप्त हो गया। ग्राम कुढगांव में चकमार्ग की पैमाइश कराकर आवागमन का रास्ता साफ कराया गया। मौके पर ही समाधान होने से शिकायतकर्ता ने राहत महसूस की।

एसडीएम नरवल विवेक मिश्रा ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सभी प्रकरणों का मौके पर जाकर निस्तारण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाते हुए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो और प्रत्येक शिकायतकर्ता को समयबद्ध न्याय मिल सके।

घर में घुसकर बुजुर्ग महिला की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार, लूट का सामान बरामद

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के कल्याणपुर क्षेत्र में घर में घुसकर बुजुर्ग महिला की हत्या कर आभूषण लूटने की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से लूटे गए सोने के आभूषण, सोने का बिस्किट तथा घटना में प्रयुक्त सामान बरामद किया गया है।सफल अनावरण करने वाली टीम को पुलिस उपायुक्त पश्चिम ने 25 हजार रुपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि 23 अप्रैल को आवास विकास-1, कल्याणपुर निवासी हरेन्द्र सिंह ने सूचना दी थी कि वह दोपहर में दवा लेने बाहर गए थे। वापस लौटने पर घर का मुख्य द्वार खुला मिला और अंदर उनकी पत्नी निर्मला मृत अवस्था में पाई गईं। घर का सामान भी बिखरा हुआ था। सूचना के आधार पर थाना कल्याणपुर में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर घटना के अनावरण के लिए छह टीमों का गठन किया गया। ÷ऑपरेशन त्रिनेत्र÷ के तहत सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से पुलिस ने आरोपी ईशु शर्मा उर्फ आर्यन (19) निवासी खिरियनपुर, थाना मूसानगर, जिला कानपुर देहात की पहचान की।

उसे 25 अप्रैल की सुबह गंगा इन्क्लेव के पीछे केसा मार्ग से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पिछले छह माह से रावतपुर क्षेत्र में किराये पर रह रहा था और पूर्व में मृतका के घर के सामने स्थित पार्क में आता-जाता था।

उत्तर प्रदेश में कानपुर से 'सूर्य रथ' की शुरुआत, हर घर सोलर का अभियान हुआ तेज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश में प्रथम बार कानपुर नगर से 'पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना' के अंतर्गत सिटी एक्सीलरेटर प्रोग्राम का भव्य शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन यूपी नेडा के सहयोग से नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा रॉकी माउंटेन इंस्टीट्यूट द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देना तथा आम नागरिकों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय नीलिमा कटियार, विधायक, कल्याणपुर तथा दीक्षा जैन मुख्य विकास अधिकारी, कानपुर नगर उपस्थित रहीं तथा विशिष्ट अतिथि आलोक कुमार सिंह, परियोजना निदेशक की गरिमामयी उपस्थिति रही।इस अवसर पर राकेश पाण्डेय, परियोजना अधिकारी, यूपी नेडा द्वारा सिटी एक्सीलरेटर प्रोग्राम के अंतर्गत संचालित किए जाने वाले विभिन्न जागरूकता अभियानों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। उन्होंने बताया

कि यह पहल शहरी क्षेत्रों में रूफटॉप सोलर को अपनाने की प्रक्रिया को तेज करने, नागरिकों को योजना से जोड़ने तथा उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी लाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है।

विधायिका महोदया ने अपने संबोधन में कार्बन उत्सर्जन, जलवायु परिवर्तन एवं सोलर पैनल के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा अपनाकर न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सकता है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को सतत, सुरक्षित एवं किफायती बनाया जा सकता है।कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 'सोलर रथ' रहा, जिसे अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर नागरिकों को योजना के प्रति जागरूक करेगा तथा उन्हें रूफटॉप सोलर अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।

अभियान के तहत घर-घर संपर्क, डिजिटल प्रचार एवं अन्य जन-जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से अधिकतम नागरिकों तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाएगी।

कार्यक्रम में यूपी नेड़ा, डीपीआरओ, एडीपीआरओ, डिस्कॉम के नोडल अधिकारी सोलर, शिक्षा विभाग एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी, 100 से अधिक वेंडर तथा नगर के गणमान्य नागरिकों ने प्रतिभाग किया। साथ ही, प्रेस व मीडिया प्रतिनिधी भी उपस्थित रहे।

संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति अधिकारियों ने घर-घर जाकर लोगों को किया जागरूक

» संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत व्यापक निरीक्षण व जागरूकता अभियान चलाया गया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम हेतु जनपद में व्यापक गतिविधियां संचालित की गईं। इस क्रम में जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह, सहायक मलेरिया अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक प्रशान्त कुमार वर्मा, अर्बन मलेरिया निरीक्षक अमित थीमान एवं आई.एफ.डब्ल्यू. अरविन्द कुमार की संयुक्त टीम द्वारा श्याम नगर स्थित बल्ला टटिया क्षेत्र का निरीक्षण किया गया।

टीम द्वारा यू.पी.एच.सी. कृष्णा नगर के अधीन श्याम नगर स्थित बल्ला टटिया मलीन बस्ती में घर-घर चल रहे दस्तक एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान की गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने घर-घर जाकर लोगों से अभियान के तहत हो रही गतिविधियों की जानकारी ली तथा संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया।

अभियान के अंतर्गत चिन्हित 12 प्रमुख संचारी रोगों के बारे में जनसामान्य को विस्तार से जानकारी दी गई तथा उनके लक्षण एवं बचाव के उपाय बताए गए। नागरिकों से अपील की गई कि किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी सरकारी अस्पताल में जांच कराएं। निरीक्षण के दौरान आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा शहरी क्षेत्रों में पंपलेट वितरण का भी अवलोकन किया गया। साथ ही मलीन बस्तियों में जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम पर चर्चा की गई, जिसमें स्थानीय लोगों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

संयुक्त टीम द्वारा कुल 30 घरों का सर्वे किया गया, जिसमें कोई भी घर संक्रमित नहीं पाया गया। साथ ही 136 जल-पात्रों की जांच की गई, जिनमें से केवल एक पात्र में मच्छरों का लार्वा पाया गया, जिसे तत्काल नष्ट कराया गया। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि क्षेत्र में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई तथा पंचायती राज विभाग के माइक्रोप्लान के अनुसार कार्यवाही की जा रही है। पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को जागरूक करते हुए पशु बाड़ों को आबादी से दूर रखने की सलाह दी गई। इसी प्रकार सूकर पालकों को भी सूकर बाड़ों को आबादी से बाहर रखने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग द्वारा स्क्रब टाइफस जैसे रोगों के प्रति जागरूकता फैलाते हुए चूहों एवं अन्य कृन्तकों से बचाव की जानकारी दी गई।अभियान के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में सोर्स रिडक्शन, ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, इंडोर स्पेस स्प्रे तथा नालियों में लार्वीसाइडल स्प्रे कराया गया। साथ ही एंटोमोलॉजिकल सर्वेक्षण एवं जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जलभराव समाप्त करने, पानी एकत्र न होने देने तथा मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। नागरिकों को सलाह दी गई कि जलभराव वाले स्थानों पर जला हुआ मोबिल ऑयल या केरोसीन का प्रयोग करें तथा शरीर को ढककर रखें और मच्छररोधी क्रीम का उपयोग करें।

नयागंज ज्वैलरी शॉप में हुई चोरी का पुलिस ने 4 दिन में किया खुलासा, आरोपी किया गया गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना कलेक्टरगंज पुलिस ने नयागंज स्थित एक ज्वैलर्स की दुकान में हुई चोरी का मात्र 4 दिनों में खुलासा करते हुए आरोपी को चुराए गए माल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। प्रेस वार्ता में एडीसीपी अंजलि विश्वकर्मा ने बताया कि विगत 20 अप्रैल को थाना क्षेत्र अंतर्गत ज्वेलर्स की दुकान से सोने के आभूषण चोरी हो गए थे। कानपुर पुलिस की सर्विलांस टीम व थाना पुलिस ने आपरेशन कनविक्शन के तहत लगाए गए सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर 24 अप्रैल की रात 9:13 बजे रेलवे रोड, अंग्रेजी ठेके के पास आरोपी को दबोच लिया।गिरफ्तार आरोपी: आलोक शाक्य (32), पुत्र राधेश्याम शाक्य, ग्राम उद्देपुर अभई, थाना कोतवाली, जिला मैनपुरी का है। अभ्युक्तों के पास से एक अंगूठी, एक जोड़ी कान के टॉप्स और सोने का एक टुकड़ा (कुल वजन 10.53 ग्राम, कीमत लगभग 1.45 लाख रुपये) बरामद किए गए है।एडीसीपी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ मैनपुरी, इटावा सहित विभिन्न थानों में चोरी, आर्म्स एक्ट समेत 6 मामले दर्ज हैं। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी विनय तिवारी, उनि प्रदीप भाटी, मनोज कुमार, विकास त्यागी, सुरदीप डागर तथा कांस्टेबल सुमित बादल व विनय पटेल शामिल रहे।

सनसनी :क्राइम पेट्रोल देखकर युवक ने कर डाली बुजुर्ग महिला की हत्या,. पुलिस ने 48 घंटे के अंदर सुलझाई गुत्थी

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी से एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है। 18 साल के ईशु शर्मा उर्फ आर्यन नाम के युवक ने टीवी शो 'क्राइम पेट्रोल' और सोशल मीडिया के क्राइम कंटेंट से प्रभावित होकर एक बुजुर्ग महिला की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने भी तुरंत कार्रवाई की और सिर्फ 48 घंटे के अंदर इस मामले की गुत्थी सुलझा ली है।

घटना पनकी रोड चौकी अंतर्गत आवास विकास कॉलोनी की है। यहां रिटायर्ड लेक्चरर हरेंद्र सिंह अपनी पत्नी निर्मला सिंह के साथ रहते थे। जब हरेंद्र सिंह घर पर नहीं थे, तब आरोपी ईशु शर्मा ने मौके का फायदा उठाया। वह घर में घुसा और अकेली मिली बुजुर्ग महिला का गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने घर में रखे करीब 27 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण लूटकर फरार हो गया।

कानपुर पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू की। डीसीपी पश्चिम एस.एम. कासिम आब्दी ने बताया कि पुलिस ने लूट का शत-प्रतिशत माल यानी पूरा 27 लाख रुपये का सोना बरामद कर लिया है।

आरोपी ईशु शर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि वह 'क्राइम पेट्रोल' जैसे शो और सोशल मीडिया पर उपलब्ध क्राइम संबंधी वीडियो से बहुत प्रभावित था। वहीं से उसने अपराध करने की प्लानिंग और पुलिस से बचने के तरीके सीखे। लेकिन उसकी ये 'रील लाइफ' वाली प्लानिंग रीयल लाइफ में कानपुर पुलिस के सामने पूरी तरह फेल हो गई।

शॉर्टसर्किट से लगी आग से एक व्यक्ति की मौत

कानपुर, घाटमपुर। कानपुर के घाटमपुर में बीती भोर आग लगने के कारण क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। आग की चपेट में आकर एक मकान व दुकान जल गई, वहीं इस हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई।शनिवार की भोर लगभग 04:00 बजे मोहल्ला आशा नगर कस्बा, दीना मार्केट पुराना डाकखाना रोड स्थित एक मकान/दुकान में विद्युत शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। घटना में एक 65 वर्षीय व्यक्ति की जलने से मृत्यु हो गई।चार अन्य व्यक्ति आंशिक रूप से झुलस गए, जिन्हें उपचार हेतु सीएचसी घाटमपुर भेजा गया। फायर ब्रिगेड द्वारा 04 गाड़ियों की सहायता से आग पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया गया है।

गौरैया संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय परिसर में लगाए गए कृत्रिम घोंसले

» पृथ्वी दिवस पर बच्चों ने लिए सात संकल्प, डीएम ने किया वृक्षारोपण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। विश्व पृथ्वी दिवस पर बुधवार को ईदगाह कॉलोनी स्थित माँ कस्तूरबा गर्ल्स इंटर कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बच्चों ने पृथ्वी को बचाने के लिए सात संकल्प लिए। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने लीफ कंपोस्ट बिन का उद्घाटन किया, नीम का पौधा रोपित किया और गौरैया संरक्षण के लिए विद्यालय परिसर में 10 कृत्रिम घोंसले लगाए जाने की पहल की सराहना की।

जिलाधिकारी ने कहा कि सूखी पत्तियों से प्राकृतिक खाद तैयार करने जैसे प्रयोग पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बेहद उपयोगी हैं। इस तरह के प्रयास धरती को बिना नुकसान पहुंचाए उसे संवारने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि गौरैया और अन्य पक्षियों को बचाने के लिए कृत्रिम घोंसले कारगर साबित हो रहे हैं। हरियाली का संवर्धन भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि पशु-पक्षी, कीट-पतंगे और अन्य जीवों का भी इस धरती पर उतना ही अधिकार है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में किए गए ये प्रयोग और यहां की हरियाली अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणा हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों से पृथ्वी संरक्षण के लिए सात संकल्प भी दिलाए गए। जिलाधिकारी ने लीफ कंपोस्ट बिन का उद्घाटन कर उसके उपयोग को समझा और विद्यालय परिसर में नीम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

स्वीट स्पैरो कम बैक होम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में गौरैया संरक्षण के लिए 10 कृत्रिम घोंसले निःशुल्क स्थापित किए गए। अभियान के संस्थापक गौरव वाजपेयी ने कहा कि धरती को बचाने के लिए हर व्यक्ति को अपनी सीमा में रहते हुए प्रकृति, पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों और छोटे जीवों की मदद के बारे में सोचना होगा। यदि यह सोच समाज में विकसित हो जाए तो धरती को कंक्रीट का ग्रह बनने से बचाया जा सकता है।विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. कामिनी अवस्थी ने जिलाधिकारी के आगमन पर आभार जताते हुए कहा कि विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ऐसे प्रयास आगे भी जारी रहेंगे। इस अवसर पर छात्राओं अंजली शर्मा, जेबा और वरीशा ने पृथ्वी दिवस पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में एडीआईओएस प्रशांत द्विवेदी, विद्यालय प्रबंधन की इंदिरा डेम्बला, सरला सबनानी, कुसुम पांडेय, प्रेरणा संस्था एवं स्वीट स्पैरो कम बैक होम अभियान के प्रतिनिधियों के साथ शिक्षकगण एवं छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की।

सीएमओ कानपुर द्वारा विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता फैलाने एवं बचाव उपायों का पालन करने हेतु दिलाई गई शपथ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, कानपुर नगर के सभागार में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरि दत्त नेमी की अध्यक्षता में एक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मलेरिया एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों (वीबीडी) की रोकथाम, लक्षणों एवं उपचार के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (वेक्टर बोर्न) सहित समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला मलेरिया अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही कार्यालय एवं शहरी मलेरिया इकाई के समस्त मलेरिया निरीक्षक, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक तथा वीबीडी स्टाफ भी मौजूद रहा।कार्यक्रम के अंतर्गत जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें एएनएमटीसी की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के माध्यम से आमजन को मलेरिया से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। छात्राओं को भी मलेरिया रोग के कारण, लक्षण एवं बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के समापन पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सभी प्रतिभागियों को मलेरिया उन्मूलन हेतु जागरूकता फैलाने एवं बचाव उपायों का पालन करने की शपथ दिलाई गई।

गंदगी में अवैध रूप से बनाया जा रहा था मोमोज और मोमोज की रंगीन चटनी, फ़ूड विभाग अधिकारियों ने कराया नष्ट

» गंदगी की वजह से बनाये जा रहे मोमोज के पास ढेर सारी मक्खियाँ भिनभिनाती हुई दिखाई दी

» बदबू आ रहे मोमोज और रंगीन चटनी का नमूना संग्रहित कर जाँच हेतु प्रयोगशाला भेजा गया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भूरे पुरवा राजेन्द्र पुरम नौबस्ता पर अवैध रूप से संचालित मोमो व चटनी के निर्माण प्रतिष्ठान पर प्रभावी कार्यवाही सोमनाथ कुशवाहा और डॉ देवेन्द्र सिंह आजाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा की गई। मौके पर प्रतिष्ठान में मोमोज और चटनी का निर्माण बेहद गन्दी दशाओं में, अस्वच्छ परिस्थितियों व अस्वास्थकर दशाओं मे किया जा था। जिसको तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया।बदबू आ रही मोमोज और रंगीन चटनी का नमूना संग्रहित कर खाद्य विश्लेषण हेतु राजकीय प्रयोगशाला को भेजा गया। मौके पर संग्रहित लगभग 20 किलोग्राम मोमोज और 20 लीटर रंगीन चटनी को उचित स्थान पर नस्ट कराया गया।

डीएम ने होमगार्ड परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण, सीसीटीवी कंट्रोल रूम सहित परीक्षा कक्षों का लिया जायजा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सिविल लाइन स्थित जे.एन.के. इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम सहित परीक्षा कक्षों की व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया।

उ0प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा 25 अप्रैल को जनपद के 53 परीक्षा केंद्रों पर होमगार्ड भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है, जो सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो रही है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है।

प्रथम पाली प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तकज. द्वितीय पाली अपराह्न 3:00 बजे से सायं 5:00 बजे तकज. प्रत्येक पाली की अवधि 120 मिनट निर्धारित है। प्रति पाली लगभग 19,200 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं तथा जनपद में कुल 53 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं।

परीक्षा के निष्पक्ष एवं सुचारु संचालन हेतु प्रत्येक केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त प्रमुख चौराहों, रेलवे स्टेशन एवं बस अड्डों पर भी पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा को पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जा रहा है।

कानपुर पुलिस ने ऑनलाइन आईपीएल सट्टा गिरोह का किया भंडाफोड, 3.91 करोड़ की नकदी हुई बरामद

» सेंट्रल जोन की पुलिस द्वारा देर रात साउथ जोन से आरोपीयो की धरपकड़ का चलाया गया अभियान!

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस ने एक बड़े ऑनलाइन सट्टा रैकेट का पर्दाफाश करते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। फजलगंज पुलिस और सर्विलांस/स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में नकदी बरामद की है।

छापेमारी के दौरान कुल 3.91 करोड़ नकद बरामद किए गए हैं। इस कार्रवाई में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि गिरोह का मुख्य सरगना मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।बताया जाता है कि यह गिरोह मोबाइल ऐप के जरिए ढ्ढक्क मैचों पर सट्टा संचालित कर रहा था। आरोपी अलग-अलग लोगों को जोड़कर ऑनलाइन नेटवर्क के माध्यम से बड़ी रकम का लेन-देन कर रहे थे।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने 6 मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं, जिनमें सट्टेबाजी से जुड़े महत्वपूर्ण डिजिटल सबूत मिलने की संभावना है। पुलिस अब इन डिवाइसों की फॉरेंसिक जांच कर रही है ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। इस सफल कार्रवाई पर पुलिस आयुक्त ने टीम की सराहना करते हुए ?50,000 का इनाम घोषित किया है। अधिकारियों का कहना है कि फरार सरगना की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और जल्द ही पूरे गिरोह का नेटवर्क सामने लाया जाएगा।

केरल : पटाखा निर्माण फैक्टरी में विस्फोट 12 लोगों की मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

हादसे के वक्त करीब 40 लोग कर रहे थे काम **कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई धमाके की आवाज**

बीपीएस न्यूज

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर में बुधवार को एक पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण धमाके में करीब 12 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। धमाका इतना भीषण था कि आवाज कई किमी दूर तक सुनाई दी। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडथिक्कोडु इलाके में मंगलवार को एक पटाखा निर्माण यूनिट में भीषण विस्फोट गया। इस विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब शहर में आयोजित होने वाले वार्षिक हिंदू मंदिर उत्सव त्रिशूर पूरम की तैयारियां चल रही थीं। इस घटना पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। घटनास्थल पर पहुंचे राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के समय यूनिट में करीब 40 लोग काम कर रहे थे, क्योंकि आयोजकों द्वारा कर्मचारियों के लिए दोपहर का भोजन लाया गया था। अधिकारी ने कहा, हमें सूचना मिली है कि सात लोग वहां से भागने में

सफल रहे।बताया जा रहा है कि यह विस्फोट उस पटाखा इकाई में हुआ, जहां त्रिशूर पूरम के थिरुवंबाडी गुट के लिए आतिशबाजी के सैंपल तैयार किए जा रहे थे।

सूत्रों के मुताबिक, घटनास्थल पर बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी, जिसमें आग लगने के बाद जोरदार धमाका हुआ। प्रारंभिक जानकारी में लगभग 40 लोगों के घायल होने की बात सामने आई थी, जिनमें से कम से कम आठ की हालत गंभीर बताई गई थी। घटना के तुरंत बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और प्रशासन ने त्रिशूर मेडिकल कॉलेज सहित आसपास के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए, ताकि आपात स्थिति से निपटा जा सके।

विस्फोट के बाद इलाके में घना धुआं और आग फैल गई, जिससे बचाव कार्यों में भी कठिनाई आई। घटनास्थल पर मौजूद अधजले और बिना फटे विस्फोटकों के कारण राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ।पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गईं। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे धमाके की तीव्रता और वहां मौजूद विस्फोटक सामग्री के पैमाने का अंदाजा लगाया जा सकता है।राज्य संचालित केआईएलए के कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने तेज धमाके की आवाज सुनी और पहले उन्हें लगा कि यह भूकंप है। एक अधिकारी ने बताया, ‘बाद में जब हम चाय के लिए बाहर आए, तब हमें पता चला कि यह विस्फोट था।यह हादसा त्रिशूर पूरम की तैयारियों के चरम के दौरान हुआ है, जब एक दिन पहले ही ध्वजारोहण के साथ उत्सव की औपचारिक शुरुआत हुई थी।

ट्रम्प की ईरान को खुली धमकी, कहा- जब तक समझौता नहीं हो जाता, ईरानी बंदरगाहों से नहीं हटेगी नाकेबंदी

बीपीएस न्यूज

वाशिंगटन। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हो जाता, तब तक अमेरिका ईरानी बंदरगाहों से अपनी नाकेबंदी नहीं हटाएगा। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है जब इस बात को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है कि युद्ध खत्म करने को लेकर दोनों देशों के बीच नयी बातचीत होगी या नहीं।उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा है कि एक हफ़्ता पहले शुरू हुई यह नाकेबंदी ईरान को पूरी तरह तबाह कर रही है और अमेरिका इस संघर्ष में काफ़ी आगे चल रहा है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी संघर्ष-विराम की अवधि बुधवार को खत्म होने वाली है, लेकिन इस बात की कोई निश्चितता नहीं है कि पाकिस्तान में शांति वार्ता का दूसरा दौर आगे बढ़ेगा या नहीं।बैठक की संभावना को देखते हुए पाकिस्तान की राजधानी में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, लेकिन अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अभी तक वाशिंगटन से रवाना नहीं हुए हैं, जबकि ईरान का कहना है कि उसने अभी यह तय नहीं किया है कि वह इसमें शामिल होगा या नहीं।

वेंस दोनों देशों के बीच होने वाली वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार जब से नाकेबंदी शुरू हुई है, अमेरिकी सेना ने 27 जहाज़ों को वापस लौटने या किसी ईरानी बंदरगाह पर जाने का निर्देश दिया है।

अमेरिका ने इस संघर्ष के दौरान पहली बार ईरान का झंडा लगे एक मालवाहक जहाज़ को भी रोका और ज़ब्त कर लिया। इस जहाज ने रविवार को नाकेबंदी को पार करने की कोशिश की थी। सेंटकॉम द्वारा साझा किए गए वीडियो में कथित तौर पर यह दिखाया गया है कि जहाज़ पर सैनिकों के उतरने से पहले उसे चेतावनी दी गई थी।

अखिलेश यादव का तंज- योगी आदित्यनाथ की पदयात्रा विपक्ष में बैठने का अभ्यास है

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि विधायिका में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने वाले संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं होने के विरोध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पदयात्रा भाजपा के विपक्ष में बैठने का अभ्यास है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा, यह पदयात्रा अभ्यास थी। यह दर्शाता है कि विपक्ष में बैठने पर उन्हें इसी तरह का आंदोलन करना होगा। यह पहली सरकार है जो सत्ता में रहते हुए विपक्ष के रूप में काम करने का अभ्यास कर रही है।सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) समेत अन्य विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने में रुकावट डालने का आरोप लगाते हुए लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पांच कालिदास मार्ग से विधान भवन तक मंगलवार को जनाक्रोश महिला पदयात्रा निकाली।

खरगे ने प्रधानमंत्री को कहा ‘आतंकी’ बवाल हुआ तो सफाई में कहा- वो डराते हैं

» खरगे ने प्रधानमंत्री के बारे में असल में क्या कहा था?

अपनी टिप्पणी पर खरगे ने क्या सफाई पेश की है?

खरगे ने सरकारी संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाया नहीं कबूला

बीपीएस न्यूज

चेन्नई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चेन्नई में प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी कर विवाद खड़ा कर दिया। हालांकि, बाद में सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को आतंकवादी नहीं कहा, बल्कि यह कहा कि वे ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाओं के जरिए लोगों को डराते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपनी एक कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवादों के केंद्र में हैं। दरअसल एक रैली में उन्होंने पहले पीएम मोदी की तुलना आतंकवादी से कर दी। हालांकि बाद में सफाई देते हुए पना बचाव किया है। इस पूरे घटनाक्रम ने चुनावी माहौल में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग को और भी तीखा कर दिया है।चेन्नई में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने अन्नाद्रमुक के भाजपा के साथ गठबंधन करने पर सवाल उठाए थे।

उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि अन्नाद्रमुक के लोग मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं, जबकि वे समानता और न्याय में विश्वास नहीं रखते। खरगे ने आगे कहा कि ऐसे लोगों के साथ हाथ मिलाना लोकतंत्र को कमजोर करने जैसा है।

इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री के संदर्भ में आतंकवादी शब्द का प्रयोग किया।

उन्होंने कहा कि मैंने यह कभी नहीं कहा कि प्रधानमंत्री एक आतंकवादी हैं। मेरे कहने का मतलब यह था कि वह लोगों और राजनीतिक दलों को डराने-धमकाने का काम करते हैं। खरगे ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री जैसी हमेशा धमकियां देते हैं और उनके आचरण से राजनीतिक गलियारों में डर पैदा होता है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी टिप्पणी का उद्देश्य प्रधानमंत्री की कार्यशैली पर सवाल उठाना था, न कि उन पर कोई व्यक्तिगत हमला करना।

यूपी विधानसभा का विशेष सत्र 30 अप्रैल को आहूत, नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर होगी चर्चा

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का एक विशेष सत्र 30 अप्रैल, बृहस्पतिवार को आहूत किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे की ओर से मंगलवार को जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल (आनंदीबेन पटेल) ने 18वीं विधानसभा की उसके वर्ष 2026 के द्वितीय सत्र के लिए बृहस्पतिवार, 30 अप्रैल को 11ः00 बजे से बैठक आहूत की गई है।

विधानसभा सचिवालय सूत्रों ने बताया कि यह बैठक लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो पाने के बाद नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विशेष चर्चा के लिए यह एक दिवसीय सत्र आहूत किया गया है। संसद में हाल में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो पाया था जिसके बाद विधानसभा का यह एक दिवसीय सत्र महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा सूत्रों के अनुसार आज मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास से विधान भवन तक जनाक्रोश पदयात्रा निकालना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिलाओं ने अपने आक्रोश का इजहार किया है।

उन्होंने कहा कि तपती धूप पर धधकता आक्रोश भारी पड़ा और अब सदन में भी इस मामले पर विपक्षी दलों की पोल खुलेगी। इस बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने सपा मुख्यालय में पत्रकारों के विधानसभा के एक दिवसीय सत्र से जुड़े सवाल के जवाब में कहा कि सपा सदन से लेकर हर जगह भाजपा का विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि अगर सदन में सत्र बुलाया जाएगा तो सपा विरोध करेगी और अपना पक्ष भी रखेगी।

नाबालिग छात्रों के स्कूटी-बाइक चलाकर स्कूल आने पर लगेगी रोक

मुरादाबाद। जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें जर्जर व टूटी सड़कों का मुद्दा गूंजा। जिलाधिकारी ने सड़क हादसे रोकने के लिए सड़कों को प्राथमिकता पर जल्द ठीक कराने और पथ प्रकाश व्यवस्था सुधारने का कड़ा निर्देश दिया। कहा कि लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

जिलाधिकारी ने कहा एक से कक्षा 12 तक के कम उम्र के छात्र-छात्राओं के स्कूटी व बाइक से स्कूल जाने पर कहा कि परिवहन विभाग के अधिकारी इस दिशा में प्रभावी कदम उठाएं। ऐसे छात्र छात्राओं को रोका जाए जो बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाकर यातायात नियमों को तोड़ रहे हैं।

जिंदा समाधि की घोषणा से श्रीराम जानकी मठ बना संवेदनशील केंद

» महंत मुकुंदपुरी को मनाने में जुटा प्रशासन

बीपीएस न्यूज

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में असंद्रा थाना क्षेत्र स्थित श्रीराम जानकी मठ मंगलवार सुबह से संवेदनशील केंद्र बना हुआ है। मठ के महंत मुकुंदपुरी द्वारा जिंदा समाधि लेने की घोषणा के बाद प्रशासन और पुलिस अलर्ट मोड में है। मठ परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है, जबकि प्रशासनिक अधिकारी सुबह से ही महंत को मनाने और समाधान निकालने के प्रयास में जुटे हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार भवनियापुर स्थित मठ की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। महंत मुकुंदपुरी का आरोप है कि एक व्यक्ति ने फर्जी और अपंजीकृत वसीयत के आधार पर मठ की करोड़ों रुपये मूल्य की संपत्ति अपने नाम दर्ज करा ली थी। इस मामले में तहसील प्रशासन ने 24 अगस्त 2023 को कार्रवाई करते हुए कथित वसीयत को निरस्त कर मूल खातेदार के नाम संपत्ति दर्ज करने का आदेश दिया था। साथ ही 45 दिनों के भीतर समाधान का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन मामला अब तक लंबित है। प्रशासनिक आश्वासनों से निराश महंत मुकुंदपुरी ने पूर्व में घोषणा की थी कि यदि 20 अप्रैल तक कार्रवाई नहीं हुई तो वह 21 अप्रैल को जिंदा समाधि लेंगे। आरोप है कि अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने से उन्होंने मंगलवार को अपना निर्णय दोहराया।

महंत की जिंदा समाधि की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मठ परिसर में एकत्र हो गए, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी लगातार संवाद के माध्यम से समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह पहला अवसर नहीं है जब महंत ने ऐसा कदम उठाने की चेतावनी दी हो। वर्ष 2023 में भी इसी प्रकार की घोषणा की गई थी, जिसे प्रशासनिक हस्तक्षेप से टाल दिया गया था। हालांकि इस बार स्थिति अधिक गंभीर बताई जा रही है और प्रशासन हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है।

अब रविवार को भी खुलेंगे रजिस्ट्री दफ्तर

नौकरीपेशा लोगों को बड़ी राहत, 9 शहरों में रोस्टर के तहत शुरू हुई नई व्यवस्था

» रविवार को रजिस्ट्री शुरू करने वाला उत्तर प्रदेश देश के चुनिंदा राज्यों में शामिल

» 9 बड़े शहरों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू व्यवस्था

» रोस्टर सिस्टम से हर हफ्ते अलग कार्यालय रहेगा खुला

» पहले दिन तकनीकी समस्याओं ने धीमी की रफ्तार

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रॉपर्टी खरीद-बिक्री से जुड़े लोगों के लिए अब बड़ी राहत की खबर है। राज्य सरकार ने आम नागरिकों, खासकर नौकरीपेशा वर्ग की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रविवार को भी प्रॉपर्टी रजिस्ट्री की शुरुआत कर दी है। इस फैसले के तहत प्रदेश के 9 प्रमुख शहरों लखनऊ, मेरठ, आगरा, अलीगढ़, कानपुर नगर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर (नोएडा), सहारनपुर और वाराणसी में हर रविवार एक-एक रजिस्ट्री कार्यालय खुलेगा।

नई व्यवस्था के मुताबिक जिन जिलों में दो या उससे अधिक उप-निबंधक कार्यालय हैं, वहां रोस्टर प्रणाली लागू की गई है। यानी हर रविवार अलग-अलग कार्यालयों को खोलकर कामकाज किया जाएगा। इससे न केवल भीड़ का दबाव कम होगा, बल्कि लोगों को सुविधाजनक तरीके से समय मिल सकेगा।दरअसल, अब तक प्रॉपर्टी रजिस्ट्री के लिए सोमवार से शनिवार तक ही समय मिलता था। ऐसे में नौकरीपेशा लोगों को अक्सर छुट्टी लेकर यह काम करना पड़ता था, जिससे उनकी दिनचर्या प्रभावित होती थी। लेकिन अब रविवार को भी रजिस्ट्री की सुविधा मिलने से यह समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। हालांकि, इस नई व्यवस्था के पहले दिन रजिस्ट्री की रफ्तार थोड़ी धीमी रही। मेरठ में 27, अलीगढ़ के खैर क्षेत्र में 6 और अन्य शहरों में भी सीमित संख्या में बैनामे दर्ज किए गए। इसके पीछे मुख्य कारण लोगों में जानकारी का अभाव और शुरुआती तकनीकी दिक्कतें रहीं। मेरठ में तो सॉफ्टवेयर अपडेट न होने की वजह से दोपहर तक टोकन जारी ही नहीं हो सके, जिससे काम प्रभावित हुआ। बाद में तकनीकी समस्या दूर होने पर रजिस्ट्री प्रक्रिया शुरू हो सकी।

अधिकारियों का कहना है कि यह शुरुआत का दौर है और धीरे-धीरे लोगों में जागरूकता बढ़ने के साथ ही रविवार को भी रजिस्ट्री कराने वालों की संख्या में तेजी आएगी। सरकार का मानना है कि यह कदम न केवल आम जनता को राहत देगा, बल्कि राजस्व संग्रह में भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

यह पहल राज्य में प्रशासनिक सेवाओं को अधिक लचीला और जन-हितैषी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। बदलती जीवनशैली, बढ़ते शहरीकरण और डिजिटल सिस्टम के विस्तार के बीच यह निर्णय समय की जरूरत के अनुरूप बताया जा रहा है। कुल मिलाकर, रविवार को रजिस्ट्री कार्यालय खोलने का यह फैसला उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। शुरुआती चुनौतियों के बावजूद यह व्यवस्था आने वाले समय में प्रॉपर्टी लेन-देन को आसान, तेज और अधिक पारदर्शी बना सकती है।

पहलगाम हमले के 1 साल बाद भी नहीं खुला बैसारन का मैदान

आज भी हैं ताजे जख्म, आतंकवादियों ने 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति की हत्या कर दी थी, बैसारन में 22 अप्रैल को हुए हमले में कुल 26 लोगों की जानें गयीं थी

बीपीएस न्यूज

पहलगाम। कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल पहलगाम में पर्यटकों की वापसी शुरू तो हुई है, लेकिन संख्या अब भी कम बनी हुई है। इसका बड़ा कारण बैसारन घास का मैदान अब भी बंद होना है, जहां पिछले वर्ष आतंकवादियों ने 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति की हत्या कर दी थी। बैसारन में 22 अप्रैल को हुए हमले में कुल 26 लोगों की जानें गयीं थी, जिससे भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था।

हालात अब सामान्य हुए हैं, लेकिन %मिनी स्विट्जरलैंड% के नाम से मशहूर बैसारन अब तक बंद है, जिससे पर्यटकों का भरोसा पूरी तरह बहाल नहीं हो पाया है। हमले के बाद बंद किये गये कई पर्यटन स्थलों को फिर से खोल दिया गया है, लेकिन बैसारन बंद ही रहा है। प्रवेश द्वार पर सरकार ने एक स्मारक बनाया है, जहां हमले में मारे गये 26 लोगों के नाम दर्ज हैं। पर्यटक वहां तस्वीरें लेते हैं, नाम पढ़ते हैं और फिर लिद्दर नदी के किनारे घूमकर लौट जाते हैं। पहलगाम टैक्सी ड्राइवर संघ के अध्यक्ष गुलाम नबी लोन ने कहा, ÷ पर्यटक आ तो रहे हैं, लेकिन रात नहीं रुक रहे। इससे टैक्सी, घुड़सवारी और होटल व्यवसाय पर असर पड़ रहा है। अधिकारियों के अनुसार, पिछले साल पहलगाम में करीब चार लाख पर्यटक आये, जो सामान्य 12-15 लाख की तुलना में काफी कम है।

स्थानीय कारोबारी इस गिरावट के लिए बैसारन और आसपास के स्थलों के बंद रहने को जिम्मेदार मानते हैं। स्थानीय पर्यटन से जुड़े लोगों का कहना है कि बैसारन पहले कभी बंद नहीं रहा और इसे जल्द खोलने की मांग लंबे समय से की जा रही है। उन्होंने चंदनवाड़ी के बंद होने पर भी चिंता जतायी और कहा कि प्रमुख स्थल बंद होने से पर्यटक ठहरने के बजाय जल्दी लौट जाते हैं। फिलहाल मुख्य पहलगाम के बाहर केवल बेताब वैली ही पर्यटकों के लिए खुली है। यहां करीब 5000 पोनीवाले और होटल व्यवसायी इस स्थिति से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने टैक्सी चालकों, पोनीवालों और होटल कर्मचारियों को क्यूआर कोड जारी करना शुरू किया है।

अब तक करीब 7000 लोगों को सत्यापन के बाद यह कोड दिया जा चुका है, और लक्ष्य 25,000 लोगों को शामिल करना का है। यह देश का पहला ऐसा स्थान है, जहां पहचान के लिए क्यूआर आधारित प्रणाली लागू की जा रही है। पोनीवाला एसोसिएशन के अध्यक्ष अब्दुल वहीद वानी ने कहा कि सुरक्षा इंतजाम बेहतर हुए हैं, लेकिन बैसारन के बंद रहने से पर्यटन को भारी नुकसान हो रहा है।

गंगा एक्सप्रेसवे तैयारः अब बचेगा समय और बढ़ेगा निवेश, प्रधानमंत्री मोदी 29 अप्रैल को करेंगे लोकार्पण

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का महत्वाकांक्षी गंगा एक्सप्रेसवे अब लोकार्पण के लिए पूरी तरह तैयार है। करीब 594 किलोमीटर लंबा यह मेगा एक्सप्रेसवे 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरदोई से देश को समर्पित किया जाएगा। लगभग 37 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह परियोजना देश के सबसे बड़े और लंबे एक्सप्रेसवे में शामिल है।

राज्य सरकार की रणनीतिक योजना और उप्र. एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की प्रभावी मॉनिटरिंग के चलते इस परियोजना को तय समयसीमा में पूरा किया गया है।

निर्माण कार्य को गति देने के लिए इसे चार पैकेज में विभाजित किया गया, जिससे अलग-अलग एजेंसियों ने समानांतर रूप से काम करते हुए तेजी से प्रगति सुनिश्चित की।

चारों पैकेज में पहले की लंबाई 129.70 किमी, दूसरे की 151.70 किमी, तीसरे की 155.70 किमी और चौथे की 156.847 किमी निर्धारित की गई।

प्रत्येक पैकेज पर करीब नौ से 9.5 हजार करोड़ रुपये तक का निवेश हुआ। मल्टी-पैकेज मॉडल के कारण निर्माण कार्य में तेजी आई और समय-सीमा का प्रभावी पालन संभव हो सका।

राज्य सरकार के अनुसार, गंगा एक्सप्रेसवे केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे एक आर्थिक कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी, यात्रा समय में कमी आएगी और लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी।

परियोजना के साथ इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित किए जाएंगे, जिससे औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

माना जा रहा है कि यह एक्सप्रेसवे प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2026 समारोह का आयोजन 4 मई को मुम्बई के रहेजा क्लासिक क्लब में होगा..!

कृष्णा चौहान फाउंडेशन (केसीएफ) के संस्थापक डॉ. कृष्णा चौहान अपने जन्मदिन (4 मई) के अवसर पर लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2026 समारोह (7वें सीजन) का आयोजन मुम्बई महानगर के प्रसिद्ध उपनगर अंधेरी पश्चिम स्थित रहेजा क्लासिक क्लब में करेंगे। इस आशय की जानकारी डॉ कृष्णा चौहान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मीडिया को दी है।

इस अवॉर्ड समारोह में उन शख्सियतों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने फिल्मी दुनिया में अपनी प्रतिभा के बदौलत अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है साथ ही समाज सेवा और मानव सेवा का सराहनीय कार्य किया है। केसीएफ के बैनर तले आयोजित यह एवॉर्ड फंक्शन बॉलीवुड के लिए यादगार फंक्शन साबित होगा जहां भारतीय फिल्म जगत के पितामह दादा साहेब फाल्के को बॉलीवुड के नामचीन शख्सियतों के द्वारा उनको याद करते हुए श्रद्धा सुमन भी अर्पित किया जाएगा।

फिल्म निर्देशक व अवार्ड समारोह के आयोजक कृष्णा चौहान इस एवार्ड के अलावा प्रत्येक वर्ष बॉलीवुड आयकोनिक एवार्ड, बॉलीवुड लिजेंड एवार्ड, नारी शक्ति सम्मान, राष्ट्रीय रत्न सम्मान और महात्मा गांधी रत्न अवॉर्ड का आयोजन भी करते चले आ रहे हैं।विदित हो कि पिछले 22 वर्षों से बॉलीवुड में सक्रिय गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) के मूल निवासी डॉ.कृष्णा चौहान न केवल एक कामयाब फ़िल्म निर्देशक एवं चर्चित समाज सेवक हैं बल्कि अवार्ड्स फंक्शन करने के मामले में सबसे अधिक सुर्खियों में रहने वाले पर्सनाल्टी माने जाते हैं। इन्होंने अपना फिल्मी सफर बतौर सहयक निर्देशक शुरू किया था। इन्होंने कई एड फिल्म्स, म्यूजिक वीडियो बनाया है।

प्रस्तुति - काली दास पाण्डेय

गर्मियों में स्वास्थ्य के लिए कौन सा खीरा होता है सबसे अच्छा

गर्मियों के मौसम में हर किसी के घर में खीरा जरुर खाया जाता है। चाहे सलाद हो या रायता, खीरा हर थाली की जान है। इस समय में बाजार में हर जगह अलग-अलग तरह की वैरायटी के खीरे मिल रहे हैं। अब ऐसे में कुछ लोगों देसी और हाइब्रिड खीरों की पहचान करना काफी मुश्किल होता है क्योंकि कई बार खीरे का शेप और कलर दौनों ही काफी अलग होता है। आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप देसी खीरे का चयन कर सकते हैं।

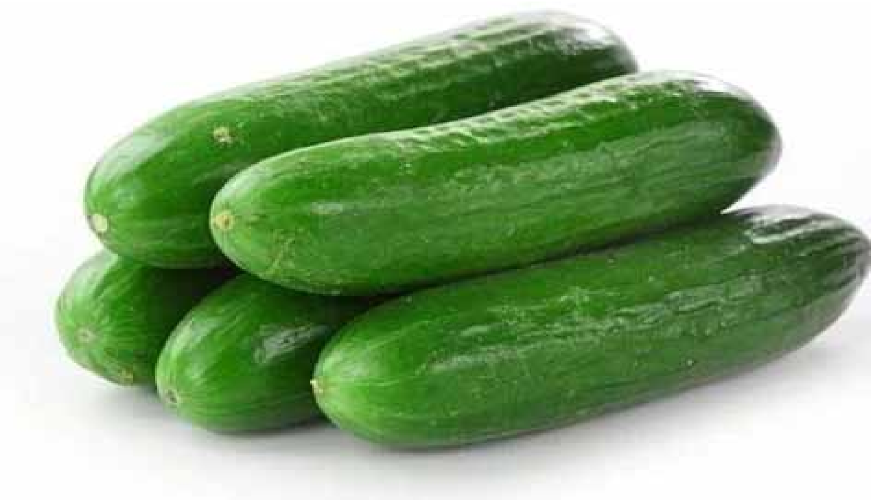

» खीरे के रंग से करें पहचान

बाजार से खीरा लेने के दौरान सबसे पहले इसका रंग जरुर देखें। यदि खीरा हल्का हरा या हल्का पीलापन है, तो यह देसी खीरा है। इसके साथ ही इसकी सतह पर धरियां या छोटे-छोटे दाने कांटे होते हैं। इनका आकार बहुत कम आपको सीधा देखने को मिलेगा। दरअसल, ये आकार में छोटे-बड़े या थोड़े टेढ़े-मेढ़े होते हैं। दूसरी तरफ, हाइब्रिड खीरे का रंग का एकदम गहरा हरा रंग और चमकदार होता है। ये बिल्कुल सीधे होते हैं।

» खीरा तोड़कर करें पहचान

जब आप खीरा खरीदने जाएं तो देसी और हाइब्रिड खीरा पहचाने के लिए आप इसे तोड़कर देख सकते हैं। देसी खीरा काटकर देखने से अंदर से काफी रसीला होता है और इसमें बीज की मात्रा सबसे अधिक पाई जाती है। वहीं, हाइब्रिड खीरा में बीज काफी छोटे होते हैं या फिर होते ही नहीं है। देसी खीरा में सबसे अधिक पानी होता है, काटने पर इसका रस आसानी से बाहर हो जाता है। हाइब्रिड खीरा अंदर से काफी सख्त होता है।

» खीरे के स्वाद से पहचान

देसी और हाइब्रिड खीरा का स्वाद काफी अलग होता है। देसी खीरे का स्वाद काफी मीठा होता है, जो कि सलाद के लिए अच्छा माना जाता है, क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में पानी होता है और शरीर को ठंडक मिलती है। जबकि हाइब्रिड खीरे का स्वाद बहुत हल्का होता है।

गर्मी में लू से बचाएगा ये देसी चने का सत्तू

गर्मियों के मौसम में शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए कई तरह की ड्रिंक्स को पिया जाता है। इस मौसम में सत्तू का शरबत और लस्सी पीना लोग काफी पसंद करते हैं। यह न केवल स्वाद को मजेदार बनाता है बल्कि सेहत को भी अच्छा बनाता है। सत्तू में प्रोटीन की मात्रा भरपूर होती है और इसकी ठंडी तासीर गर्मी से राहत पहुंचाती है। मार्केट में आसानी से सत्तू मिल जाता है लेकिन मिलावट के चलते इसका स्वाद खराब होता और शुद्ध न होने पर यह शरीर को कुछ ज्यादा फायदा नहीं पहुंचाता। अब आप घर पर ही आसानी से सत्तू को तैयार कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको सत्तू को बनाने के 2 आसान तरीके बताने जा रहे है, जिसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।

भुने हुए चने से सत्तू कैसे बनाएं?

बाजार से भुने हुए चने लाएं।

चनों को साफ कर लें जिससे उनमें कोई कंकड न रहे।

अगर चने थोड़े नरम हों, तो उन्हें कड़ाही में 2-3 मिनट के लिए दोबारा गर्म करें।

इसके बाद चनों को मिक्सर जार में डालें। मिक्सी को रुक-

रुक कर चलाएं, जिससे चने तेल न छोड़े और सत्तू एकदम सूखा और दानेदार बने।

फिर इसे आखिर में बारीक छलनी से छान लें।

घर पर बने सत्तू को कैसे करें स्टोर?

सत्तू पीसने के बाद उसे पूरी तरह ठंडा होने दें।

फिर आप इसको किसी एयरटाइट कांच के जार में भरकर रखें।

इस तरह यह 2-3 महीने तक खराब नहीं होगा और इसकी सोंधी खुशबू बरकरार रहेगी।

आप सत्तू

का इस्तेमाल सुबह के नाश्ते में नमकीन शरबत बनाने या फिर लिट्टी और पराठे के स्टफिंग के लिए भी कर सकते हैं।

आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का उत्सव

एडथुआ पेरुनल उत्सव

यह उत्सव केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है, जिसमें विभिन्न धर्मों और परंपराओं का सुंदर संगम देखने को मिलता है।

केरल की सांस्कृतिक पहचान सिर्फ इसके मंदिरों और पारंपरिक उत्सवों तक सीमित नहीं है। यहां के ईसाई समुदाय के पर्व भी उतने ही भव्य और जीवंत हैं तथा लोकजीवन से जुड़े हुए हैं। इन्हीं में से एक एडथुआ पेरुनल उत्सव है, जो मुख्यतः सेंट जॉर्ज को समर्पित है और इसे केवल केरल के महत्वपूर्ण ईसाई धार्मिक आयोजनों में ही नहीं गिना जाता, बल्कि यह दूसरे दक्षिणी राज्यों के ईसाई समुदायों के साथ-साथ दुनियाभर के सांस्कृतिक पर्यटकों के लिए भी महत्वपूर्ण आयोजन है।

एडथुआ पेरुनल उत्सव हर साल अप्रैल के अंत से मई की शुरुआत तक लगभग 10 दिनों तक मनाया जाता है। इस साल यह 27 अप्रैल से 7 मई तक मनाया जाएगा। इस दौरान चर्च परिसर और उसके आसपास के पूरे क्षेत्र में एक विशाल मेले का आयोजन होता है। हजारों श्रद्धालु न केवल आस्था और श्रद्धा से इस उत्सव में भाग लेते हैं, बल्कि बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक पर्यटक भी इसका हिस्सा बनने के लिए देश और विदेश की अनेक जगहों से आते हैं।

उत्सव की शुरुआत विशेष प्रार्थनाओं और ध्वजारोहण से होती है। इसके बाद हर दिन अलग-अलग धार्मिक अनुष्ठान, जुलूस और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अंतिम दिन का जुलूस या प्रोसेशन सबसे भव्य होता है, जिसमें सेंट जॉर्ज की प्रतिमा को सुसज्जित रथ पर निकालकर पूरे गांव में घुमाया जाता है। इस उत्सव की विशेषता यह है कि यह धार्मिक कम, सांस्कृतिक उत्सव ज्यादा है, इसलिए यह केरल की सार्वभौमिक सह-अस्तित्व की भावना को दर्शाता है।

इसमें दूसरे कई उत्सवों की तरह सजे-धजे हाथियों के साथ जुलूस निकाला जाता है, जो कि केरल के विशिष्ट उत्सवों की सबसे खास पहचान है। लोग पारंपरिक संगीत और लोकनृत्य का लुत्फ उठाते हैं। स्थानीय बैंड, चर्च संगीत और लोकनृत्य इस उत्सव को न केवल केरल के विशिष्ट उत्सवों में जगह दिलाते हैं, बल्कि इसे खास महत्व भी देते हैं। इस उत्सव के दौरान रात के समय भव्य आतिशबाजी के नजारे भी देखने को मिलते हैं, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। एडथुआ पेरुनल का धार्मिक महत्व भी खूब है, क्योंकि सेंट जॉर्ज को एक चमत्कारी संत माना जाता है। श्रद्धालुओं के मुताबिक इस उत्सव में भाग लेने से उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं, विशेषकर बीमारियों और मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस उत्सव में हिस्सा लेने आए लोग अपनी तरह-तरह की मन्नतें मांगते हैं और उनके पूरे होने पर सेंट जॉर्ज को धन्यवाद देने के लिए पुनः-पुनः इस उत्सव में शामिल होने का संकल्प लेते हैं। इसलिए यह पारंपरिक आयोजन व्यक्तिगत आस्था और सामूहिक विश्वास का भी संगम बन जाता है।

एडथुआ पेरुनल उत्सव की एक अनोखी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। यह उत्सव धार्मिक सीमाओं से परे जाकर लोगों को आपस में जोड़ता है। विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग मिलकर उत्सव मनाते हैं। ऐसे में यह एकता में विविधता का जीवंत उदाहरण बन जाता है। यह उत्सव इस बात को भी दर्शाता है कि भारतीय संस्कृति केवल विविधता से भरपूर ही नहीं है, बल्कि इसमें गहरा साझा भाव भी है। केरल जैसे राज्य में, जहां साक्षरता और सामाजिक जागरूकता उच्च स्तर पर है, ऐसे आयोजन समाज को और अधिक मजबूत बनाते हैं।

आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव

इस उत्सव का स्थानीय अर्थव्यवस्था के साथ भी एक बेहद गहरा और सकारात्मक रिश्ता है। इस तरह यह उत्सव केवल सांस्कृतिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। आज के समय में, जब समाज में विभाजन और तनाव की खबरें अक्सर आती रहती हैं, एडथुआ पेरुनल जैसे उत्सव हमें सकारात्मक संदेश देते हैं। यह उत्सव सिखाता है कि धर्म और संस्कृति लोगों को जोड़ने का माध्यम हो सकते हैं, न कि उन्हें एक-दूसरे से अलग करने का।

एकता का जीवंत प्रतीक

इसके साथ ही यह परंपराओं को आधुनिक बनाने का भी उदाहरण है। जहां एक तरफ प्राचीन अनुष्ठान होते हैं, वहीं दूसरी ओर आधुनिक व्यवस्थाएं भी आयोजन का हिस्सा होती हैं। कुल मिलाकर एडथुआ पेरुनल जैसे उत्सव सिर्फ धार्मिक भाव के पर्व नहीं हैं, बल्कि यह आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। यह उत्सव केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है, जिसमें विभिन्न धर्मों और परंपराओं का सुंदर संगम देखने को मिलता है। इस प्रकार एडथुआ पेरुनल जैसा उत्सव, जो श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है, भारतीय संस्कृति की उस व्यापक सोच का भी प्रतिनिधित्व करता है, जो विविधता में एकता को सबसे बड़ा मूल्य मानती है।

मेरी लाश को मेरे पापा छू भी न पाएं

सुसाइड नोट लिखा अधिवक्ता ने कचहरी की 5वीं मंजिल से कूदकर दी जान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कचहरी में गुरुवार दोपहर अधिवक्ता ने पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। अधिवक्ता के गिरने व तेज चींख सुनकर वकीलों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस तत्काल अधिवक्ता को उर्सला पहुंचाया, जहां जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। खबर पाकर डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता, एडीसीपी अंजलि विश्वकर्मा, एसीपी आशुतोष कुमार पहुंचे और कचहरी परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किया। जिसमें अधिवक्ता पांचवें खंड पर टूटी खिड़की की बाउंड्री पर बैठा दिखा। करीब 15 मिनट बाद वह कूद गया। अधिवक्ता के दो पेज के सुसाइड नोट में पिता के प्रति गहरी नाराजगी व नफरत दिखी। सुसाइड नोट में आखिरी में निवेदन के साथ लिखा कि मेरी लाश को मेरे पापा छू भी न पाएं। मैं उन पर कोई कार्रवाई नहीं करना चाहता, ताकि मेरा परिवार बर्बाद न हो।

बर्रा आठ वरुण विहार निवासी अधिवक्ता राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव का 23 वर्षीय बेटा प्रियांशु पिता के साथ प्रेक्टिस करता था। गुरुवार दोपहर प्रियांशु कचहरी की पांचवी मंजिल पर पहुंचा, जहां टूटी खिड़की की बाउंड्री पर बैठ गया। करीब 15 मिनट तक खिड़की के पास बैठा रहा और फिर कूदकर जान दे दी। आवाज सुनकर अधिवक्ताओं की भीड़ लग गई। साथी अधिवक्ता पुलिस के साथ उसे उर्सला ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रियांशु के मोबाइल में दो पेज का सुसाइड नोट पुलिस को मिला।जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस जांच में सामने आया कि सुसाइड से पहले करीब 12 बजे उसने दो पेज का सुसाइड नोट लिखा। आत्महत्या से 21 मिनट पहले व्हाट्सएप स्टेटस पर सुसाइड नोट लगाया। जिसे अपने पिता व दोस्तों को भी फारवर्ड किया। जब तक परिजन व दोस्त सुसाइड नोट पढ़ते उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मोबाइल कब्जे में लिया है।

लिखा, मेरी अंतिम इच्छा है सब लोग सुसाइड नोट अंत तक पढ़े

मैं प्रियांशु श्रीवास्तव पुत्र राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव उम्र 23 वर्ष 11 माह 7 दिन। निवासी वरूण विहार का हूं। 23-4-2026 समय दोपहर 12.05 बजे अपने पूरे होशो हवास में बिना किसी जोर-दबाव अपनी पूर्ण सहमति से सुसाइड नोट लिख कर अपनी जान दे रहा हूं। मैने अपनी लॉ की पढ़ाई 2025 में पूरी की है।

कहानी शुरू होती है मेरे बचपन से, करीब 5 या 6 वर्ष की उम्र से ही मुझे मानसिक यातनाएं मिलनी शुरू हो गई। भविष्य में ऐसी नौबत किसी को न आए। इसके बाद प्रियांशु ने अपनी अब तक की कहानी लिखी। जिसमें उसने जिक्र किया कि पिता हर बार निर्वस्त्र करके घर से भगा देने की धमकी देते थे। पढ़ाई के लिए जरूरत से ज्यादा प्रेशर बनाना, शक की नजरों से देखना, एक-एक मिनट का हिसाब लेना, कहां जा रहे हो, कब आओगे, किसका फोन आया है, क्या बातें की आदि मानसिक टॉर्चर ही है।

धमकी दी गई, कि अगर हाईस्कूल में नंबर कम आए तो पूरा निर्वस्त्र कर घर से भगा देंगे। रोज घुट-घुट कर मरने से लाख गुना बेहतर है कि एक दिन मरके खत्म होना। आखिर में अभिभावकों से अपील किया कि अपने बच्चों को उतना ही टॉर्चर करें, जितना वो बर्दाश्त कर सकें। लिखा निवेदन है कि मेरी लाश को मेरे पापा छू भी न पाएं।

डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा- खोलेंगे एक लाख हनुमान चालीसा केंद्र, गरीब हिंदू परिवारों की होगी मदद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर।डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि हर मंगल-शनि की शाम को हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कराएंगे।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने रविवार को कहा कि देश के हर गांव और शहर की कॉलोनियों में हम हर मंगलवार और शनिवार की शाम हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कराएंगे।

एक लाख हनुमान चालीसा केंद्र खोलकर लगभग डेढ़ करोड़ परिवार को जोड़ा जाएगा। हनुमान चालीसा केंद्र के माध्यम से गरीब हिंदू परिवारों को डॉक्टर और वकील की मुफ्त सेवा के साथ ही रोजगार दिलाने में मदद की जाएगी।

गोविंद नगर स्थित अमरेश भवन में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल और राष्ट्रीय महिला परिषद ओजस्विनी की प्रांत बैठक में डॉ. तोगड़िया शामिल हुए। उन्होंने कहा कि देश में लव जिहाद चिंताजनक स्तर पर है। हमें बचपन से ही अपनी बहन-बेटियों को सावधान करना होगा। सरकार को भी चाहिए कि वह लव जिहाद के दोषियों के लिए फांसी की सजा का प्रावधान करे। इससे पहले डॉ. तोगड़िया ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। नई कार्यकारिणी में पं. कपिल गौड़ को प्रांत उपाध्यक्ष, गणेश द्विवेदी को प्रांत संयुक्त महामंत्री और रामजी मिश्रा को प्रांत मंत्री घोषित किया गया। बैठक में वेद सचान, ईश्वरी प्रसाद, शिवाजी यादव सहित अन्य रहे। उधर, शास्त्री नगर में डॉ. तोगड़िया पारिवारिक मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां दीपू पांडे, एडवोकेट राम किशन त्रिपाठी, नारायण मिश्रा, राघवेंद्र मिश्रा सहित अन्य रहे।

डॉ. तोगड़िया ने कहा कि राष्ट्रीय महिला परिषद ओजस्विनी मई-जून से देश भर में बेटियों-बहनों को स्वरक्षा के लिए कैंप लगाकर प्रशिक्षण देगी। उन्होंने 800 रुपये की एक डिवाइस के बारे में बताते हुए कहा कि उसका बटन दबाते ही उसके तार में करंट प्रवाहित हो जाएगा। उसे चारों ओर घुमाकर अपनी रक्षा की जा सकेगी।

हमीरपुर में महिला को लात मारने वाला दरोगा लाइन हाजिर

» बीपीएस न्यूज

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के सुमेरपुर कस्बे में महिला के साथ अभद्रता और लात मारने के आरोप में एक दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक मृगांक शेखर पाठक ने शुक्रवार को यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार गुरुवार शाम ई-रिक्शा चालक और एक महिला के बीच विवाद हो रहा था।

इसी दौरान मौके पर पहुंचे दरोगा शिवशंकर पांडेय ने बीच-बचाव के दौरान महिला के साथ बदसलूकी की और उसे लात मारते हुए थाने ले जाने का प्रयास किया। घटना को वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने मोबाइल में कैद कर लिया, जिसका वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया।

पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच क्षेत्राधिकारी (सीओ) सदर राजेश कमल को सौंपी।

प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर देर रात ही दरोगा शिवशंकर पांडेय को लाइन हाजिर कर दिया गया। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुगलों से ज्यादा महिला विरोधी है अब का विपक्षः मंत्री योगेंद्र उपाध्याय

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नारी शक्ति वंदन अधिनियम गिरने के बाद भाजपा विपक्षी दलों पर हमलावर है। जगह-जगह प्रदर्शन व आक्रोश रैली निकाली जा रही है। शनिवार को प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि अब का विपक्ष मुगल काल से भी ज्यादा महिला विरोधी है। जैसे मुगलों ने कभी भी अपने राज में महिलाओं को सम्मान नहीं दिया वैसे ही विपक्ष कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष सिर्फ मौका खोजता है कि कैसे महिलाओं का अपमान किया जाए।

सीएसजेएम विश्वविद्यालय के सीनेट हाल में जन आक्रोश महिला सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा करना रहा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि जब देश में मोदी सरकार सत्ता में आई तो महिलाओं की सबसे बड़ी पीड़ा को दूर करते हुए हर-घर शौचालय स्कीम लागू की। पक्के मकान दिए, खेलो इंडिया, मिशन शक्ति योजना, ड्रोन दीदी, महिला पेंशन योजना, मुद्रा लोन, किचन से लेकर बाजार तक मजबूती दी।

कहा कि उज्ज्वला योजना, मातृ वंदन योजना, घरौनी योजना और सबसे बड़ी सम्पत्तियों में नाम की हिस्सेदारी देकर मजबूती दी गई। उन्होंने महिलाओं की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि उनके अधिकारों की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने लोकसभा सीटों के पुनर्गठन का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले 543 सीटों के समय जो उत्तर-दक्षिण अनुपात था, वही प्रस्तावित 850 सीटों में भी संतुलित रूप से कायम रखा गया है। साथ ही उन्होंने विपक्ष पर सर्जिकल स्ट्राइक, धारा 370 और तीन तलाक जैसे मुद्दों पर विरोध की राजनीति करने का आरोप लगाया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध को उन्होंने महिला विरोधी मानसिकता बताया। कार्यक्रम में मेयर प्रमिला पांडेय, जिलाध्यक्ष दक्षिण शिवराम सिंह, जिलाध्यक्ष उत्तर अनिल दीक्षित, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, महिला आयोग सदस्य अनीता गुप्ता और महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी आदि रहे।

अरुस मेडिकल स्टोर
प्रो. नरेंद्र त्रिपाठी (मो. : 8960789810)
उचित मूल्य पर दवा मिलने

का एक मात्र स्थान

पता : सचेंडी, मार्केट, कानपुर

ईदगाह चौराहे के पास गैराज में भीषण आग, धमाकों के साथ 30 फीट ऊंची उठीं लपटें छह कारें-चार घर जलकर राख

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। बजरिया थाना क्षेत्र के ईदगाह चौराहे पर कार गैराज में शॉर्ट सर्किट से लगी आग में छह कारें और चार मकान जल गए। धमाकों और ऊंची लपटों के बीच 8 दमकल गाड़ियों ने ढाई घंटे में आग पर काबू पाया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। कानपुर के बजरिया थाना क्षेत्र में ईदगाह चौराहे के पास स्थित कार गैराज में शुक्रवार रात शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। कुछ देर में आग ने बगल की दो और दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। कार में दो बार तेज विस्फोट होने से आग और भड़क उठी। इससे 30 फीट तक उठ रहीं लपटें ठीक पीछे गूदड़ बस्ती के चार पक्के मकानों तक पहुंच गई और लोगों का हजारों रुपये का सामान बर्बाद हो गया।

सीसामऊ एसीपी और पांच थानों के फोर्स ने रास्ता सील कर आठ दमकल गाड़ियों के लिए जगह बनवाई। आग से दो दुकानों में खड़ी छह कारें, चार मकानों गृहस्थी खाक हो गई। ईदगाह चौराहे से ब्रह्मनगर जाने वाली रोड पर बाएं ओर कार गैराज और ऑटो पार्ट्स की करीब 10 दुकानें हैं। यहां करीब 11 बजे के

आसपास अकील के जनता मोटर्स रिपेयरिंग सेंटर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई।

कुछ ही देर में पूरे गैराज में आग फैली और बगल की सनराइज मोटर्स रिपेयरिंग सेंटर को अपनी चपेट में ले लिया। वहां भी कारें और सामान धू-धूकर जलने लगा। कार की टंकियां एक के बाद एक फटने से इतनी तेज धमाका हुआ कि वहां 30-35 फीट ऊंची लपटें उठने लगी और गूदड़ बस्ती तक पहुंच गई। बस्ती के 250 परिवार के लोगों में अफरातफरी मच गई। आग की चपेट में आकर बस्ती निवासी चंदा पत्नी सुभाष, सोमवती पत्नी मातादीन, बती देवी, बेबी के छत पर रखा सामान जल गया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने आठ दमकल गाड़ियों की मदद से पुलिस की मदद से रास्ता खाली कराकर बस्ती और दुकानों को घेरकर पानी डलवाना शुरू किया। करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। सीएफओ ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण घटना हुई है। अग्निकांड पर समय रहते काबू पा लिया गया। कोई जनहानि नहीं है।

दुकान से कई हाइड्रोजन सिलिंडर किए बाहर

सीएफओ ने बताया कि अकील समेत अगल-बगल के गैराज से लोगों ने वेल्डिंग के काम आने वाले हाइड्रोजन सिलिंडर आनन-फानन में बाहर निकलवाए। उनका कहना था कि अगर आग उन सिलिंडरों तक पहुंच जाती तो बहुत बड़ी घटना हो सकती थी।

गर्मी से 'शॉर्ट टेंपर' हो रहे लोग, हैलट-उर्सला में उमड़ी भीड़, नींद की कमी बना रही हिंसक

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर । कानपुर में भीषण गर्मी और नींद की कमी से लोगों में गुस्सा और चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है, जिससे अस्पतालों की मानसिक ओपीडी में भीड़ बढ़ गई है। डॉक्टरों ने ठंडे वातावरण में रहने, पर्याप्त पानी पीने और आठ घंटे की नींद लेने की सलाह दी है। गुजैनी निवासी 45 वर्षीय प्रेम पाल के परिजन उन्हें साथ लेकर ओपीडी आए। बताया कि प्रेमपाल पहले से ही तनाव से गुजर रहे हैं। इन दिनों इनमें चिड़चिड़ापन इतना ज्यादा बढ़ा है कि पूरा दिन चिल्लाते रहते हैं। कभी बच्चों पर हाथ नहीं उठाया लेकिन अब उनकी जरा सी शैतानी पर पीटने के लिए दौड़ते हैं। मना करो तो उलझने लगते हैं और चीख पुकार करते हैं। शुक्लागंज निवासी 30 वर्षीय रेशमा पर चिड़चिड़ापन हावी होने पर परिजन ओपीडी में लेकर आए। परिजन के मुताबिक छोटी सी बात पर फांसी लगाने की धमकी देती हैं। अपने आपको मारने की कोशिश करती हैं। एक बार तो हाथ भी काट लिया। डर की वजह से ओपीडी में दिखाने आए हैं।कानपुर शहर में भीषण गर्मी लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल रही है। हैलट और उर्सला अस्पतालों की मानसिक रोग ओपीडी में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। डॉक्टरों के अनुसार, अत्यधिक गर्मी के कारण लोगों में गुस्सा और चिड़चिड़ापन बढ़ा है। दोनों अस्पतालों में प्रतिदिन 100 से 150 मरीज आ रहे हैं।इनमें से 50-50 मरीज गुस्से और चिड़चिड़ेपन की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। उर्सला अस्पताल के डॉ. चिरंजीवी प्रसाद ने नींद की कमी को इसका मुख्य कारण बताया। रात में गर्मी और उमस से नींद पूरी नहीं हो पाती है। मस्तिष्क को पर्याप्त आराम न मिलने से स्वभाव में चिड़चिड़ापन आता है। काम के दबाव के साथ गर्मी लोगों को हिंसक बना रही है।डॉ. धनंजय चौधरी ने बताया कि पानी की कमी से बचें और ठंडे वातावरण में रहें। कम से कम सात से आठ घंटे की नींद लेना आवश्यक है। गुस्सा अनियंत्रित होने पर विशेषज्ञ से परामर्श करें। पर्याप्त पानी, छाछ या नींबू पानी पीएं और गरिष्ठ भोजन से बचें। दोपहर 12 से 4 बजे के बीच धूप में निकलने से बचें तथा प्राणायाम करें।

ढाई करोड़ की हरियाली पर फिरा पानी, किदवई नगर में सूख रहे पौधे, रसूखदारों ने किया अवैध कब्जा

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। किदवई नगर में ढाई करोड़ की लागत से बनी साढ़े तीन किमी लंबी ग्रीनबेल्ट रखरखाव और सिंचाई के अभाव में सूख रही है। रेलिंग तोड़कर नर्सिंगहोम और रेस्टोरेंट संचालकों ने अवैध रास्ते व पार्किंग बना ली है, जबकि नगर निगम अफसर सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं।कानपुर नगर निगम की लापरवाही से भीषण गर्मी में किदवईनगर ग्रीनबेल्ट में पेड़-पौधे सूखने लगे हैं। कई जगह रेलिंग टूटने से इसमें छुट्टा मवेशी घुसने लगे हैं। नर्सिंगहोम, रेस्टोरेंट, दुकानदारों ने पांच से ज्यादा स्थानों पर ग्रीनबेल्ट उजाड़कर आने-जाने का रास्ता और पार्किंग बना ली है। खास बात यह है कि देखरेख करने वाले ठेकेदार को अनुबंध छह माह पहले खत्म हो गया था। हालांकि, अभी तक नगर निगम ने न तो ठेका दिया और न ही माली की व्यवस्था की।

नगर निगम ने ढाई साल पहले ढाई करोड़ की लागत से किदवईनगर ग्रीनबेल्ट (बाबाकुटी चौराहे से यशोदानगर तक) विकसित की थी। ब्लॉकवार बनाई गई इस साढ़े तीन किलोमीटर लंबी ग्रीनबेल्ट में सिंचाई के लिए सबमर्सिबलों की बोरिंग भी

कराई गई थी। इसमें पौधे लगाने वाले ठेकेदार की दो साल तक रखरखाव की भी जिम्मेदारी थी। साढ़े तीन किमी लंबी इस ग्रीनबेल्ट में मियावाकी पद्धति से पौधे लगाए गए थे जो नियमित रूप से सिंचाई और रखरखाव होने से मिनी जंगल का रूप लेने लगा था।इसी बीच अनुबंध पूरा होने पर छह महीने पहले ठेकेदार ने अपने मालियों को हटा लिया। इसके बाद नगर निगम ने न तो अपने माली इस ग्रीनबेल्ट में लगाए और न ही वहां लगे पेड़-पौधों में पानी डालने और उनके रखरखाव का दोबारा ठेका दिया। अमर उजाला की पड़ताल में नगर निगम की तरफ से की जा रही इस ग्रीनबेल्ट की उपेक्षा और दुर्दशा का पता चला। सबसे बुरी हालत किदवईनगर 40 दुकान के सामने इस ग्रीनबेल्ट की है। वहां स्थित हनुमान मंदिर के सामने ग्रीनबेल्ट की रेलिंग तीन जगह टूटी है।

ग्रीनबेल्ट तोड़कर आवागमन का रास्ता बना लिया

इसमें से दो जगह बांस लगाए गए थे, वे भी इस तरह लगे हैं कि आराम से लोगों के साथ ही मवेशी अंदर चले जाते हैं। कुछ लोग वहां कूड़ा भी फेंकने लगे हैं। वहां से किदवईनगर एच-ब्लॉक शनिदेव मंदिर चौराहे के बीच ग्रीनबेल्ट में ही अवैध रूप से कब्जा कर मवेशी पाले जा रहे हैं। शनिदेव मंदिर से यशोदानगर की तरफ एच-ब्लॉक में ही एक नर्सिंगहोम ने ग्रीनबेल्ट तोड़कर आवागमन का रास्ता बना लिया है।

उससे करीब 200 मीटर दूर एक रेस्टोरेंट संचालक ने ग्रीनबेल्ट उजाड़ने के साथ ही रेलिंग तोड़कर ग्राहकों के आने जाने का रास्ता बना लिया है। वहां इसे पार्किंग के रूप में भी इस्तेमाल किया जा रहा है। उसके आगे एक जन औषधि केंद्र संचालक ने भी ग्रीनबेल्ट तोड़कर आवागमन का रास्ता बनाया। उसी के पास एक कार गैराज संचालक भी कारें खड़ी करने लगा है।

बेटे ने अनजाने में मां पर चढ़ा दी वैन, झाड़ू लगाते समय हुआ हादसा

कानपुर। कैथा गांव में बेटे द्वारा वैन बैक करते समय पीछे झाड़ू लगा रही मां की कुचलकर मौत हो गई। बेटे की इस अनजानी भूल से परिवार में कोहराम मच गया, जिसके बाद बिना पुलिस कार्रवाई के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।कानपुर के घाटमपुर में सजेती थाना क्षेत्र के कैथा गांव में शुक्रवार को बेटे की ओर से घर के बाहर खड़ी वैन बैक करते समय उसकी मां कुचल कर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उन्हें सीएचसी लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस हादसे से बेटे के होश उड़ गए।घर वालों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस के मुताबिक कैथा गांव निवासी एक युवक ने गुरुवार को पुरानी वैन खरीदी थी। गुरुवार की रात वैन घर के बाहर खड़ी थी। सुबह युवक की मां वैन के पीछे झाड़ू लगा रही थीं। तभी युवक कहीं जाने के लिए वैन निकालने लगा।बैक करने के दौरान पीछे झाड़ू लगा रही मां की कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई। यह देख युवक के होश उड़ गए और वह बदहवास हो गया। घर वालों में भी कोहराम मच गया। इसके बाद घर वालों ने पुलिस को बिना सूचना दिए बिना ही अंतिम संस्कार कर दिया। महिला की मौत से घर के लोगों का रो-रोकर हाल बेहाल है।

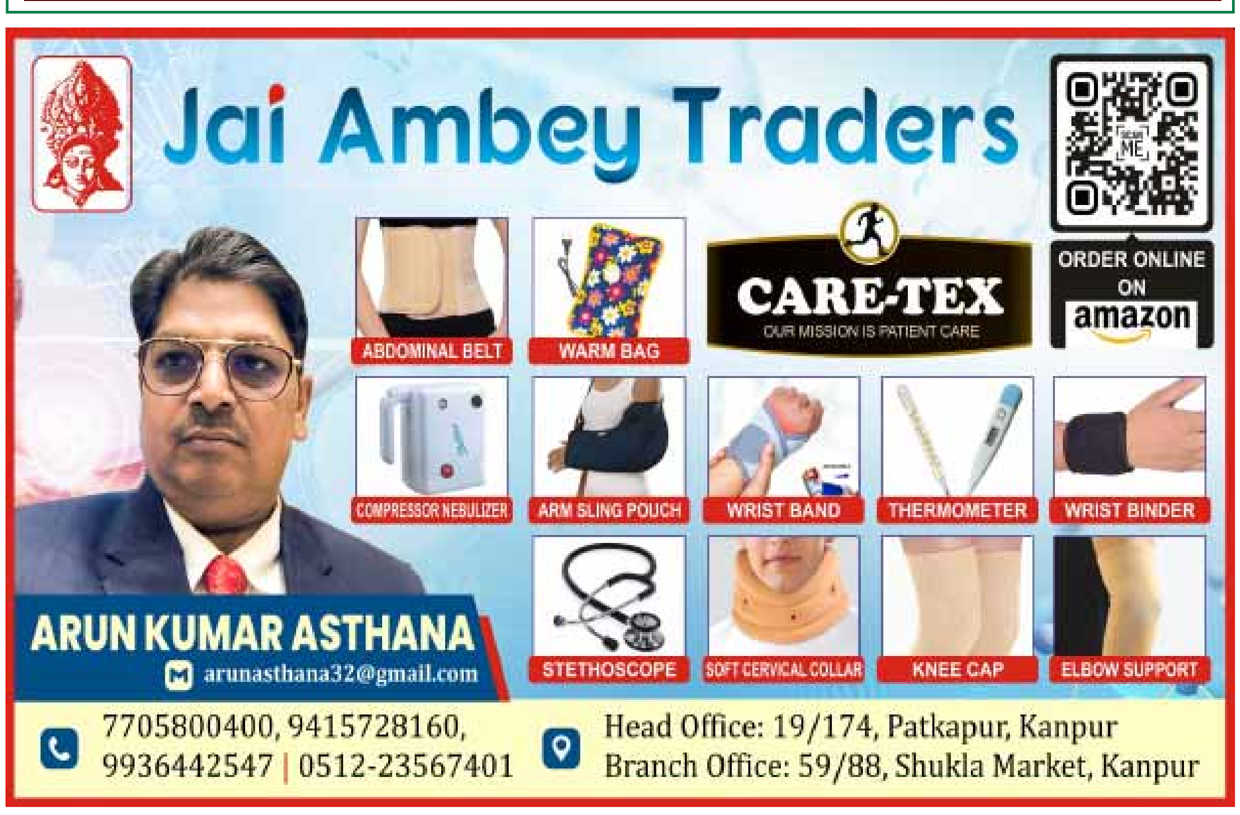

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।